www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, गुरूवार
19 नवम्बर 2026
वर्ष: 49
अंक: 187 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

अमेरिका में राहुल बोले-आर्थिक संकट की कगार पर भारत

कहा-बेरोजगारी और एजुकेशन सिस्टम भी है बड़ी समस्या नितिन नवीन बोले- इकोनॉमी नहीं, उनकी सोच है डिजास्टर



न्यूयॉर्क/नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने कहा है कि भारत आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है। इसके पीछे बड़े पैमाने पर बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी खामियां हैं। युवाओं में बढ़ती निराशा की मुख्य वजह यह है कि उन्हें अपना भविष्य नजर नहीं आता। राहुल गांधी ने यह बात बुधवार को न्यूयॉर्क में छात्रों और फैकल्टी के सामने कही। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा, 'राहुल विदेश में जाकर भारत की छवि खराब करते हैं। वो भारत की इकोनॉमी को डिजास्टर बताते हैं, लेकिन भारत नहीं उनकी सोच डिजास्टर है।'

वोटों के अंतर को बताया असंभव

राहुल ने चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए कहा, 'अचानक 5 लाख वोटों का मार्जिन मिल जाना संभव नहीं है। चुनावी नतीजों और वोटों के आंकड़ों को लेकर हमारी पार्टी (कांग्रेस) के पास कई सवाल हैं। हमारे पास चुनावी धांधली के कई सबूत हैं। इन्हें सामने लाने के लिए हम काम कर रहे हैं।' राहुल ने कहा, 'हमारा मकसद देश की चुनावी व्यवस्था को फिर से दुरुस्त करना है।

आर्मी के सीनियर ऑफीसर्स की फिर से बदलेगी ड्रेस

1 दिसंबर से गोरखा हैट,मैरून-ब्लैक बेरेट और रेजिमेंटल पहचान फिर लौटेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने वरिष्ठ अफसरों की ड्रेस में 2023 में किए बदलाव वापस लेने का फैसला किया है। यह आदेश 1 दिसंबर से लागू होगा। 13 नवंबर के पत्र पर आधारित आंतरिक आदेश के मुताबिक, गोरखा राइफल्स के जनरल फिर अपनी पहचान वाली हैट पहन सकेंगे। स्पेशल फोर्सेज के वरिष्ठ अफसर मैरून बेरेट और बख्तरबंद रेजिमेंट के अफसर ब्लैक बेरेट पहन सकेंगे। वरिष्ठ अफसर अधिकृत वर्दी के साथ अपनी पारंपरिक रेजिमेंट या कोर से जुड़े चिन्ह भी लगा सकेंगे। यह बदलाव ब्रिगेडियर और उससे ऊपर के अफसरों पर लागू होगा। 2023 में सेना ने वरिष्ठ नेतृत्व के लिए एक जैसी पहचान बनाने के लिए वर्दी के कई सामान एक जैसे कर दिए थे। उस नीति में अफसरों की मूल रेजिमेंट और सर्विस की पहचान दिखाने वाले चिन्ह हटा दिए गए थे।



पिछले हफ्ते एनएसजी कमांडो की यूनिफॉर्म बदलने का फैसला हुआ था- ब्लैक कैट कमांडो की मशहूर काली वर्दी अब बदलने जा रही है। वजह है- भयंकर गर्मी। नेशनल सिक्योरिटी गार्ड ने अपने वीआईपी सुरक्षा में लगे कमांडो के लिए नई ब्रीदेबल यानी सांस लेने वाली यूनिफॉर्म बनाने की सिफारिश की है। ये यूनिफॉर्म नायको कपड़े से बनेगी, जिसमें नायलॉन और कॉटन होता है। यह कपड़ा हवा और नमी को आसानी से बाहर निकलने देता है। अप्रैल में विजयवाड़ा में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की सुरक्षा में तैनात कमांडो करीब 44 डिग्री तापमान में बेहोश हो गया था। इसके बाद ही यह फैसला लिया गया। एनएसजी को उम्मीद है कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की घोषणा तक कमांडो नई यूनिफॉर्म पहनने लगेंगे।

इसी साल भारतीय फौज की फॉर्मल ड्रेस में बंदी जैकेट शामिल हुई

इसी साल जून में भारतीय सेना ने 174 पेज की नई 'आर्मी यूनिफॉर्म-2026' बुक में कॉलोनियल एरा के नियमों में भी बदलाव किया था। नए नियमों में रिव्यूइंग ऑफिसर के लिए परेड में तलवार रखना वैकल्पिक कर दिया गया है। वहीं, कुछ मैस ड्रेस के साथ इस्तेमाल होने वाली पाउच बेल्ट हटाई गई है। इसके साथ ही रॉयल जैसे पुराने शब्दों का इस्तेमाल बंद किया गया है। पहली बार फॉर्मल सिविल ड्रेस में स्वदेशी बंदी जैकेट को भी शामिल किया गया है। बंद गले वाली बंदी जैकेट को फुल स्लीव शर्ट, फॉर्मल ट्राउजर और बंद जूतों के साथ पहना जा सकेगा। सेना इससे पहले फरवरी 2023 में भी कई पुरानी परंपराएं खत्म कर चुकी है। इनमें समारोहों में घोड़ा-गाड़ी का इस्तेमाल, रिटायरमेंट के दौरान 'पुल आउट' इवेंट और डिनर में पाइप बैंड की परंपरा शामिल थी।

कुलगाम हमले का आरोपी आखिरी आतंकी भी ढेर

फोर्स की एक जॉइंट टीम ने लतीफ भट का किया एनकाउंटर



नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के कुलगाम में 11 नवंबर को सीआरपीएफ की पेट्रोलिंग टीम पर हमला करने वाला आतंकी लतीफ भट एनकाउंटर में ढेर हो गया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, लतीफ जिस मस्जिद में छिपा था वहां से जैसे ही वह बाहर आया तो सुरक्षाबलों ने उसे मार गिराया। बुधवार सुबह से ही खुफिया जानकारी के आधार पुलिस, सेना और पैरामिलिट्री फोर्स का संयुक्त ऑपरेशन कुलगाम जिले के देवसर में जंगलपोरा गांव में चल रहा था। सुरक्षाबलों ने लतीफ को इस इलाके में घेर लिया था, जिसके बाद उसने इलाके में स्थित एक मस्जिद में शरण ले ली।

सुरक्षाबलों को डेडबॉडी के पास मिला हथियार

कश्मीर जोन पुलिस की ओर से इस एनकाउंटर से जुड़ी जो जानकारी साझा की गई है उसमें बताया गया है कि जिस जगह मुठभेड़ चल रही थी वहां एक आतंकी को मार गिराया गया है। सुरक्षाबलों ने आतंकी की डेडबॉडी को रिकवर कर लिया है। उसके पास से एक हथियार भी बरामद हुआ है। बता दें कि लतीफ घाटी में लश्कर का आखिरी लोकल एक्टिव आतंकी था।

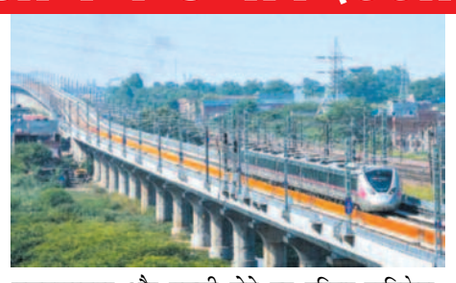
लतीफ ने सरेंडर करने से कर दिया था इनकार

इस एनकाउंटर से पहले लतीफ को सरेंडर करने का विकल्प भी मिला था। इंडियन आर्मी के हवाले से सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया गया जिसमें सुरक्षा अधिकारी लतीफ भट से वीडियो कॉल के जरिए सरेंडर करने की अपील कर रहे हैं, लेकिन लतीफ सरेंडर करने से इनकार कर रहा है। अगर तुम सरेंडर कर दोगे तो तुम्हारी जान बख्श दी जाएगी, लेकिन नहीं माना।

नमो भारत आसान करेगी दिल्ली से हरिद्वार-ऋषिकेश का सफर

150 किमी कॉरिडोर का प्राथमिक सर्वे शुरू, खुलेगा नया रास्ता

मेरठ (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर से हरिद्वार और ऋषिकेश जाने वाले लोगों के लिए नमो भारत रैपिड ट्रेन से सफर का रास्ता खुल सकता है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने दिल्ली से हरिद्वार-ऋषिकेश तक नमो भारत कॉरिडोर बनाने की संभावनाओं पर प्राथमिक सर्वे शुरू कर दिया है। करीब 150 किलोमीटर लंबे प्रस्तावित रूट के लिए दो विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। पहला विकल्प मेरठ के मोदीपुरम स्टेशन से दौराला, खतौली,



मुजफ्फरनगर और रुड़की होते हुए हरिद्वार-ऋषिकेश तक ट्रेन पहुंचाने का है। वहीं, दूसरे विकल्प में मोदीनगर से गंगनहर पटरी के रास्ते सीधे रुड़की और हरिद्वार होते हुए ऋषिकेश तक अलग कॉरिडोर बनाने की संभावना तलाशी जा रही है। इसके लिए एनसीआरटीसी ने सिंचाई विभाग से गंगनहर पटरी मार्ग से जुड़ी जानकारी मांगी है। हालांकि, अभी यह योजना शुरुआती स्तर पर है और अंतिम रूट डीपीआर बनने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

मोदीपुरम से हरिद्वार तक रूट जोड़ने की तैयारी- दिल्ली के सराय काले खां से मेरठ के मोदीपुरम तक 82 किलोमीटर लंबे नमो भारत रैपिड ट्रेन कॉरिडोर की शुरुआत 22 फरवरी 2026 को हो चुकी है। एनसीआरटीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस कॉरिडोर पर हर महीने करीब 32 लाख लोग यात्रा कर रहे हैं। अब इसी नेटवर्क को हरिद्वार और ऋषिकेश तक विस्तार देने की संभावनाओं पर काम किया जा रहा है। प्रस्तावित योजना के तहत दिल्ली से हरिद्वार और ऋषिकेश तक नमो भारत ट्रेन चलाने का विकल्प तैयार किया जा रहा है।

गंगनहर पटरी से मोदीनगर को जोड़ने पर भी मंथन

हरिद्वार-ऋषिकेश तक नमो भारत ट्रेन पहुंचाने के लिए मोदीपुरम के अलावा गंगनहर पटरी का विकल्प भी सामने आया है। इस विकल्प के तहत मोदीनगर से गंगनहर पटरी के रास्ते सीधे रुड़की, हरिद्वार और ऋषिकेश तक अलग कॉरिडोर बनाने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। इस संबंध में एनसीआरटीसी के अधिकारियों ने सिंचाई विभाग से तकनीकी पहलुओं पर बातचीत की है। गंगनहर पटरी मार्ग की उपलब्ध जानकारी भी मांगी गई है। हालांकि, अभी जमीन की उपलब्धता या अधिग्रहण को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है।

भारत से 'आकाश' और 'पिनाका' सिस्टम भी खरीदेगा फिलीपींस

नए रक्षा सौदे की है तैयारी, चीन को मिलेगा करारा जवाब

मनीला (एजेंसी)। फिलीपींस के रक्षा मंत्री गिल्बर्टो सी. तेओदोरो जूनियर ने इस महीने कहा था कि भारत के साथ सिर्फ ब्रह्मोस मिसाइल ही नहीं बल्कि एयर डिफेंस सिस्टम और दूसरे कई हथियारों को लेकर भी उनका देश समझौता करना चाहता है। अब दोनों देशों के बीच अपनी डिफेंस पार्टनरशिप को विस्तार देने के लिए तेज रफ्तार से बातचीत चल रही है। फिलीपींस भारत से और ब्रह्मोस मिसाइलें खरीदने के अलावा आकाश एयर डिफेंस सिस्टम, पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर, हेलीकॉप्टर और अंतरिक्ष सहयोग को लेकर बातचीत कर रहा है।



भुगतान के लिए नये तरीकों पर चल रही बातचीत

फिलीपींस भारत से ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइलों की कम से कम 6 और बैटरी खरीदने पर विचार कर रहा है। फर्स्टपोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक इनमें से कई प्रस्तावों पर बातचीत एडवांस स्तर तक पहुंच चुकी है।

बाघ का हमला, पत्नी को जंगल में घसीटा,पति की बहादुरी से बची जान

नैनीताल। उत्तराखंड के नैनीताल जिले के रामनगर में मानव-वन्यजीव संघर्ष की एक गंभीर घटना सामने आई है। रामनगर वन प्रभाग की कोसी रेंज में बुधवार सुबह जंगल से निकले बाघ ने बाइक सवार दंपती पर अचानक हमला कर दिया। हमले के दौरान बाघ महिला को जबड़े में दबाकर जंगल की ओर घसीटने लगा। पत्नी की जान खतरे में देख पति ने हिम्मत दिखाते हुए बाघ का पीछा किया और शोर मचाकर आसपास के लोगों से मदद मांगी। लोगों के एकत्र होने और शोरगुल के बाद बाघ महिला को छोड़कर जंगल में चला गया। घटना में महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं।

चारा लेने जा रहे दंपती पर अचानक हमला

जानकारी के अनुसार, रामनगर के टेड़ा गांव निवासी दर्शन सिंह बुधवार सुबह अपनी पत्नी बबली देवी (50) के साथ बाइक से मवेशियों के लिए चारा



लेने जा रहे थे। इसी दौरान कोसी रेंज के लाल पहाड़ी के समीप ग्रासलैंड क्षेत्र में अचानक जंगल से निकले बाघ ने उनकी बाइक पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से दंपती बाइक समेत सड़क पर गिर पड़े।

महिला को जंगल की ओर घसीटने लगा बाघ

बाइक से गिरते ही बाघ ने बबली देवी पर हमला कर दिया और उनके हाथ को जबड़े में जकड़कर सड़क से जंगल की ओर घसीटने लगा। पत्नी को बाघ के चंगुल में फंसा देख दर्शन सिंह ने बिना अपनी जान की परवाह किए बाघ का पीछा किया। उन्होंने जोर-जोर से शोर मचाया, जिसके बाद आसपास मौजूद लोग भी मदद के लिए मौके पर पहुंचने लगे। बताया जा रहा है कि बाघ ने दर्शन सिंह की ओर भी हमला करने का प्रयास किया, लेकिन लोगों के शोर और भीड़ को देखकर महिला को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। पति की बहादुरी और स्थानीय लोगों की तत्परता से बबली देवी की जान बच गई।

शरीर पर मिले चोट के करीब 19 निशान

हमले में बबली देवी के हाथ सहित शरीर के विभिन्न हिस्सों पर चोटें आई हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, उनके शरीर पर बाघ के हमले के करीब 19 निशान पाए गए हैं। घटना के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पर्यटकों की जिप्सी की मदद से घायल महिला को रामनगर के रामदत्त संयुक्त चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार किया जा रहा है।

वन विभाग ने बढ़ाई गश्त और निगरानी

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी सक्रिय हो गए। रामनगर वन प्रभाग के एसडीओ अंकित बडोला ने बताया कि घटनास्थल के आसपास वन विभाग की गश्त बढ़ा दी गई है। साथ ही बाघ की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

जामुनवाला में गला रेतकर युवती की हत्या, चेहरे पर किए वार

देहरादून। राजधानी देहरादून में हत्या की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। जामुनवाला में बुधवार को एक युवती का शव कूड़े के ढेर में मिलने से सनसनी फैल गई। युवती की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या की गई है। पहचान छिपाने के इरादे से उसके चेहरे पर भी बुरी तरह वार किए गए हैं। शव को सीमेंट के कट्टों और पॉलिथिन के थैलों से ढंककर छिपाने का प्रयास किया गया था।

जानकारी के अनुसार, बुधवार को एक व्यक्ति कूड़ा फेंकने के लिए जंगल की ओर गया था। इसी दौरान उसकी नजर कूड़े के ढेर में पड़े शव पर पड़ी। उसने तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया।

युवती के चेहरे और गले पर धारदार हथियार से हमले के निशान मिले हैं। मौके पर पहुंची एफएसएल की टीम ने भी साक्ष्य जुटाए। आशंका है कि युवती की हत्या कहीं और करने के बाद शव को यहां लाकर फेंका गया है। फिलहाल युवती की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और युवती की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

भोपाल के वैज्ञानिकों ने बनाई देश की पहली स्वदेशी वैक्सीन

बर्ड फ्लू के खतरनाक वायरस से बचेंगी मुर्गियां व पोल्ट्री उद्योग एमपी के लिए बड़ी उपलब्धि, एक डोज छह महीने करेगा सुरक्षा

भोपाल (एजेंसी)। बर्ड फ्लू के खतरनाक वायरस एच5एन1 से मुर्गियों और पोल्ट्री उद्योग को बचाने के लिए भोपाल के वैज्ञानिकों ने देश का पहला स्वदेशी टीका विकसित किया है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान ने यह टीका वायरस के क्लेड 2.3.2.1ए के खिलाफ तैयार किया है। इसकी एक खुराक से मुर्गियों को छह महीने तक सुरक्षा मिलेगी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान 20 नवंबर को भोपाल स्थित संस्थान परिसर में इसे लॉन्च करेंगे। यह निष्क्रिय टीका है। इसके परीक्षणों में अंडा देने वाली और प्रजनन के लिए पाली जाने वाली मुर्गियों में अच्छे परिणाम मिले हैं। इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से पोल्ट्री फार्मों में लेयर्स और ब्रीडर्स मुर्गियों के टीकाकरण के लिए किया जाएगा। अब तक भारत में इस वायरस स्ट्रेन के खिलाफ व्यावसायिक उपयोग के लिए स्वदेशी टीका उपलब्ध नहीं था।



अंडा देने और प्रजनन के लिए पाली जाने वाली मुर्गियों को ज्यादा फायदा- इस टीके का सबसे ज्यादा फायदा लेयर्स और ब्रीडर्स मुर्गियों को होगा। लेयर्स का इस्तेमाल अंडा उत्पादन और ब्रीडर्स का इस्तेमाल प्रजनन के लिए किया जाता है। इनका जीवनकाल ब्रॉयलर मुर्गियों से ज्यादा होता है। इसलिए इन्हें लंबे समय तक संक्रमण से बचाना जरूरी है। छह महीने तक सुरक्षा मिलने से बार-बार टीकाकरण की जरूरत भी कम होगी।

इंसानों में संक्रमण का खतरा कम करने में भी मिलेगी मदद- एच5एन1 वायरस इंसानों को भी संक्रमित कर सकता है। संक्रमित पक्षियों के संपर्क में आने से मनुष्यों में संक्रमण फैलने का खतरा रहता है। इससे तेज बुखार, सांस लेने में परेशानी और गंभीर निमोनिया हो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के मुताबिक, 2003 से अब तक दुनियाभर में इंसानों में एच5एन1 संक्रमण के 1,003 मामले सामने आए हैं। इनमें 479 लोगों की मौत हुई है। मुर्गियों में संक्रमण रोकने से वायरस के प्रसार का खतरा कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, इसके लिए नियमित निगरानी, फार्मों में जैव सुरक्षा और संक्रमित पक्षियों से दूरी बनाए रखना भी जरूरी होगा।

दूसरे देशों के टीके भारतीय वायरस के लिए कारगर नहीं थे

चीन, मिस्र और वियतनाम जैसे देशों में भी बर्ड फ्लू के टीके विकसित किए गए हैं। हालांकि, ये वहां पाए जाने वाले वायरस के अलग-अलग क्लेड के आधार पर तैयार किए गए हैं। भारत में एच5 एन1 का क्लेड 2.3.2.1ए मुर्गियों के लिए गंभीर चुनौती रहा है। भोपाल के वैज्ञानिकों ने इसी वायरस स्ट्रेन को ध्यान में रखकर स्वदेशी टीका तैयार किया है। इस टीके का इस्तेमाल व्यावसायिक पोल्ट्री फार्मों में चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। तय मानकों के अनुसार पशु चिकित्सकों और प्रशिक्षित कर्मचारियों की देखरेख में मुर्गियों को इसकी खुराक दी जाएगी। इसका उद्देश्य बर्ड फ्लू के संक्रमण को रोकना और पोल्ट्री उद्योग को होने वाले आर्थिक नुकसान को कम करना है।

संपादकीय

वर्दी की आड़ में प्रताड़ना

उत्तर प्रदेश के एक होटल में ठहरे युगल को गांजा लगाने का भय दिखाकर कथित रूप से प्रताड़ित करने का मामला पुलिस के प्रताड़ित करने का एक गंभीर मामला है। प्रकरण सोचने को मजबूर करता है कि आखिर कानून की रक्षा करने वाले ही यदि अपने अधिकारों की सीमाएं भूलने लगें तो आम नागरिक न्याय की उम्मीद किससे करेगा? पुलिस की वर्दी अपने आप में अधिकार का प्रतीक नहीं, बल्कि जिम्मेदारी, अनुशासन और जनसेवा का दायित्व है। समाज में पुलिस की भूमिका इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि आम नागरिक संकट के समय सबसे पहले कानून के रखवालों की ओर देखता है। लेकिन जब इसी वर्दी की आड़ में किसी नागरिक को भयभीत करने, दबाव बनाने या प्रताड़ित करने की शिकायत सामने आती है तो यह केवल एक व्यक्ति के साथ हुए व्यवहार का मामला नहीं रह जाता, बल्कि पूरी पुलिस व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। यदि किसी व्यक्ति पर मादक पदार्थ रखने या सेवन करने का संदेह है तो पुलिस के पास कानून के तहत जांच करने और आवश्यक कार्रवाई करने के अधिकार हैं, लेकिन संदेह को दबाव बनाने का हथियार बना देना किसी भी स्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। कानून की प्रक्रिया का पालन करना पुलिस की जिम्मेदारी है, न कि कानून का भय दिखाकर किसी को मानसिक रूप से परेशान करना। जरा सोचिए कि अगर उस दिन होटल की दीवार पर वह सीसीटीवी कैमरा न लगा होता, तो एक निर्दोष इंसान न जाने कितने सालों तक झूठे मुकदमे और जेल की चक्की में पिसता रहता, और कागजों पर फर्जी कहानी गढ़ने वाले ये साहब खुद को सिंघम बताकर मेडल और प्रमोशन बटोर रहे होते। यहां एक बुनियादी सवाल भी उठता है कि क्या किसी होटल में ठहरना अपने आप में किसी व्यक्ति को संदेह के घेरे में खड़ा कर देता है? क्या किसी युगल की निजी जिंदगी पुलिस की मनमानी का विषय बन सकती है? निश्चित रूप से नहीं। प्रत्येक वयस्क नागरिक को कानून के दायरे में रहते हुए अपनी निजता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के साथ जीवन जीने का अधिकार है। पुलिस को भी अपनी कार्रवाई में इन संवैधानिक अधिकारों का सम्मान करना चाहिए। पुलिस की कार्यशैली में अधिकार और जवाबदेही के बीच संतुलन बेहद जरूरी है। पुलिस को अपराध रोकने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिकार दिए गए हैं, लेकिन इन अधिकारों का इस्तेमाल निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के अनुसार ही होना चाहिए। किसी को झूठे मामले में फंसाने का डर दिखाना, अनावश्यक दबाव बनाना अथवा निजी स्वतंत्रता का उल्लंघन करना पुलिस की छवि को प्रभावित करता है। वहीं होटल व्यवसाय और पर्यटन से जुड़े क्षेत्रों में इस तरह की घटनाओं की खबरें सामने आने पर आम नागरिकों के मन में असुरक्षा की भावना पैदा हो सकती है। विशेषकर उत्तराखंड जैसे पर्यटन और तीर्थाटन आधारित प्रदेश के लिए भी यह विचारणीय विषय है। देश के अलग-अलग हिस्सों से आने वाले पर्यटक यह अपेक्षा करते हैं कि उन्हें सुरक्षित वातावरण मिलेगा और कानून का पालन कराने वाली व्यवस्था उनके अधिकारों की भी रक्षा करेगी। पुलिसकर्मियों को यह समझना होगा कि वर्दी उन्हें मनमानी करने का अधिकार नहीं देती, बल्कि उनकी जवाबदेही आम नागरिक के प्रति और बढ़ा देती है। वर्दी की गरिमा बनाए रखने के लिए जरूरी है कि उसके पीछे बैठे व्यक्ति को अपने अधिकारों के साथ-साथ अपनी सीमाओं का भी एहसास हो क्योंकि कानून का भय अपराधियों में होना चाहिए, आम नागरिकों में नहीं।

धर्मनिष्ठ सत्ता और ज़हरीले पानी में धर्मावलम्बी?



निर्मल रानी

स्विट्ज़रलैंड की वायु गुणवत्ता निगरानी संस्था एयर आईक्यू की 2026 में जारी हुई वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली दुनिया का चौथा सबसे प्रदूषित शहर और लगातार आठवें वर्ष विश्व की सबसे प्रदूषित राजधानी रही। नवंबर 2026 के दूसरे सप्ताह विशेषकर 7 नवंबर और 13-16 नवंबर के दौरान एयर आईक्यू की लाइव रैंकिंग में दिल्ली कई बार लाहौर, कोलकाता और ढाका को पीछे छोड़कर दुनिया का प्रथम सबसे प्रदूषित प्रमुख शहर बन गया। इस दौरान केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों में दिल्ली का औसत AQI 400 के पार अर्थात गंभीर श्रेणी तक पहुंच गया, जबकि दिल्ली यूनिवर्सिटी और आईटीओ जैसे कुछ इलाक़ों में यह 450 से ऊपर दर्ज किया गया।और इसी घोर प्रदूषित राजधानी में गत दिनों उत्तर भारत विशेषकर बिहार का सर्वाधिक लोकप्रिय धार्मिक व सामाजिक त्यौहार छठ मनाया गया। वर्तमान में केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम तीनों ही स्तरों पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। गोया दिल्ली में ट्रिपल इंजन की सरकार चल रही है। नवंबर 2026 में छठ महापर्व के आयोजन को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली सरकार ने दिल्ली वासियों ख़ासकर छठ पूजा हेतु श्रद्धालुओं को साफ़ यमुना जल उपलब्ध कराने, दिल्ली के 1,400 से अधिक घाटों के निर्माण और अभूतपूर्व नागरिक सुविधाओं के बड़े दावे किए थे। सरकार का मुख्य ज़ोर इस बात पर था कि इस वर्ष श्रद्धालुओं को बिना किसी गंदिगी या ज़हरीले झाग के, भव्य रूप से पूजा करने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने छठ पूजा से ठीक पहले यह भी दावा किया था कि बीजेपी सरकार की तैयारियों के तहत यमुना का पानी साफ़ है और इसमें कोई गंदगी या झाग नहीं है। उन्होंने कहा था कि इस बार व्रती महिलाएं स्वच्छ यमुना जल में ही सूर्य देव को अर्घ्य देंगी। दिल्ली सरकार ने यह भी दावा किया था कि यमुना नदी के पानी को पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल (इको-फ्रेंडली) उपचारित किया जा रहा है, जिससे पानी या जलीय जीवों पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा। सरकार ने राजधानी भर में लगभग 1,482 छठ घाट तैयार करने का दावा किया था जो पिछले वर्ष के 1,326 घाटों की तुलना में अधिक थे। सभी बुनियादी तैयारियां 6 नवंबर 2026 तक पूरी करने के निर्देश दिए गए थे। उत्तरी दिल्ली में आउटर रिंग रोड से इंद्रलोक तक मुनक नहर के दोनों किनारों पर लगभग 15 करोड़ रुपये की लागत से 11 किलोमीटर लंबा भव्य छठ घाट बनाने और उसमें साफ़ पानी छोड़ने का दावा किया गया था। सरकार ने सभी घाटों पर स्वच्छता, निर्बाध बिजली, रोशनी, पीने के पानी, मोबाइल शौचालय, चेंजिंग रूम और चिकित्सा सुविधाओं के पुख्ता प्रबंध किये जाने का दावा भी किया था।

परन्तु नए कृत्रिम या नहर घाटों के निर्माण के मोर्चे पर तो सरकार अपने कई दावों को पूरा करने में कुछ हद तक सफल ज़रूर रही परन्तु यमुना नदी को पूरी तरह साफ़ और झाग-मुक्त बनाने का उसका सबसे प्रमुख दावा ज़मीनी स्तर पर पूरा नहीं हो सका। ग़ौरतलब है कि सरकार ने दावा किया था कि छठ पूजा के दौरान इस बार यमुना नदी में ज़हरीला सफ़ेद झाग नहीं दिखेगा। 15 और 16 नवंबर 2026 को छठ पूजा के संध्या और उषा अर्घ्य के दौरान कालिंदी कुंज सहित यमुना के कई हिस्सों में श्रद्धालु कमर तक गहरे पानी और सफेद झाग की मोटी परतों के बीच पूजा करते नजर आए। दिल्ली बीजेपी प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने स्वयं स्वीकार किया कि कालिंदी कुंज के बड़े हिस्सों में झाग तैरता हुआ दिखाई दिया। नदी में बिना उपचारित सीवर के पानी, औद्योगिक कचरे और डिटर्जेंट के मिलने से पानी की सतह पर इसतरह का ज़हरीला सफ़ेद झाग बनता है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के आंकड़ों के हवाले से बताया गया कि यमुना के प्रमुख घाटों का पानी नहाने योग्य मानकों पर खरा नहीं उतरा। हद तो यह कि छठ से ठीक पहले वज़ीराबाद और सोनिया विहार के पास नदी में बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां मिलने और काले व प्रदूषित पानी की तस्वीरों ने स्वच्छ यमुना जल के दावों पर और भी गंभीर सवाल खड़े कर दिये। शालीमार बाग़ के कुछ हिस्सों, कई रिहायशी घाटों व कुछ स्थानीय इलाक़ों में सफ़ाई की भारी कमी, प्लास्टिक के कचरे और अपर्याप्त रोशनी को लेकर स्थानीय लोगों ने शिकायतें दर्ज कराईं।

परन्तु श्रद्धालुओं के ज़हरीले पानी में डुबकी लगाने पर अफ़सोस जताने या इस दुर्व्यवस्था के लिये सरकार की ज़िम्मेदारी स्वीकार करने के बजाये मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कई घाटों पर छठ पर्व को भव्य बनाने के लिए प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा और सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि पिछली आप सरकार ने यमुना किनारे छठ पूजा पर प्रतिबंध लगाया था, जबकि वर्तमान बीजेपी सरकार ने 1,400 से अधिक घाटों पर रेड कार्पेट बिछाकर भव्य इंतज़ाम किए। बीजेपी ने यह भी दावा किया कि उनकी सरकार ने पिछले डेढ़ से दो वर्षों में यमुना नदी का आधे से अधिक हिस्सा साफ़ कर दिया है, जो काम कांग्रेस और आप दशकों में नहीं कर पाईं। दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने तो यह आरोप लगाया कि विपक्षी दल और कुछ अज्ञात लोग छठ पर्व से पहले सरकार की छवि ख़राब करने के लिए जानबूझकर यमुना नदी में मरी हुई मछलियां डाल रहे थे। सोशल मीडिया पर विपक्ष के अलावा भी अनेक लोगों ने यमुना के झाग भरे ज़हरीले पानी में पूजा करने हेतु खड़ी महिला श्रद्धालुओं के वीडियो साझा करते हुए लिखा कि यही यमुना की असली हक़ीक़त है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर निशाना साधते हुए लोगों ने कहा कि यमुना की सफ़ाई के नाम पर केवल झूठे वादे और प्रचार किए गए, जिसके कारण श्रद्धालु ज़हरीले पानी में छठ मनाने को मजबूर हैं। कुछ विपक्षी नेताओं ने मरी हुई मछलियों का वीडियो जारी करते हुए कहा कि नदी में अत्यधिक प्रदूषण के कारण हज़ारों मछलियों की मौत हुई है और सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए विपक्ष पर बेबुनियाद आरोप लगा रही है। कांग्रेस ने भी यमुना में तैरते ज़हरीले झाग की तस्वीरें साझा कर केंद्र और दिल्ली की बीजेपी सरकार पर लाखों श्रद्धालुओं की आस्था और स्वास्थ्य के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने कहा कि ये तस्वीरें यमुना की सफ़ाई को लेकर किए गए सरकारी दावों की पोल खोलती हैं।

निःसंदेह दिल्ली की बढ़ती आबादी के कारण यमुना नदी की स्वच्छता किसी भी सरकार के लिये एक बड़ी चुनौती है। परन्तु यह भी सच है कि देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया ने पहली बार किसी स्वयंभू धर्मनिष्ठ सत्ता और उसके द्वारा किये गये लंबे चौड़े वादों के बीच इस क़द्र झागयुक्त ज़हरीले पानी में श्रद्धालु धर्मावलंबियों को छठ के अवसर पर डुबकी लगाते हुये देखा।

इंदिरा गांधी: जिनके फैसलों ने बदल दी भारत की राजनीतिक तस्वीर



योगेश कुमार गोयल

विश्व राजनीति में भारत की बुलंद आवाज थी इंदिरा गांधी...

पं. जवाहरलाल नेहरू के घर 19 नवम्बर 1917 को जब प्रियदर्शिनी नामक कन्या ने जन्म लिया था तो किसे पता था कि यही कन्या आगे चलकर न केवल इस देश की बागडोर संभालेगी बल्कि अपनी दबंगता से पूरी दुनिया में मिसाल बन जाएगी। ऑक्सफोर्ड और स्विट्जरलैंड में उच्च शिक्षा प्राप्ति के पश्चात् इंदिरा गांधी ने उच्च पद पर नौकरी करने या कोई अन्य कार्य करने के बजाय अपना जीवन देशसेवा में समर्पित करने का निश्चय किया। देशभक्ति की भावना इंदिरा जी में बचपन से ही कूट-कूटकर भरी थी। विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के आव्हान से प्रेरित होकर बचपन में ही इन्होंने अपने घर के बाहर अपने कीमती कपड़ों की होली जलाकर न केवल अपनी इसी भावना का परिचय दिया था बल्कि उसके बाद इंदिरा जी से प्रेरणा लेकर इस आन्दोलन ने पूरे देश में जोर पकड़ा था।

इंदिरा जी के स्कूली दिनों में एक दिन स्कूल में गांधी जी के आमरण अनशन को लेकर एक सभा का आयोजन था, जिसमें बच्चों को भी बोलने का अवसर दिया गया था। जब इंदिरा जी ने बोलना शुरू किया तो सभागार में सन्नाटा छा गया और सभी एकटक इंदिरा को निहारने लगे कि इतनी छोटी बालिका इतनी गूढ़ बातें कैसे कर रही है। उन्होंने कहा, ''आखिर स्वर्ण अपने ही दलित भाईयों को गिरा हुआ, छूत और निकृष्ट क्यों समझते हैं तथा उनके साथ दुर्व्यवहार और अत्याचार क्यों करते हैं? अगर हमने अपनी ही सेवा करने वालों का इस तरह से निरन्तर तिरस्कार न किया होता तो आज अंग्रेजों को इस प्रकार लाभ उठाने का अवसर न मिल रहा होता और न ही बापू को इस तरह से आमरण अनशन कर अपने प्राण दांव पर लगाने पड़ते।'' इंदिरा जी की इन गूढ़ और तर्कसम्मत बातों के समक्ष सभी नतमस्तक थे और उनकी सराहना कर रहे थे। इंदिरा में बचपन से ही एक अच्छी राजनेता होने के तमाम गुण विद्यमान थे। 21 वर्ष की आयु में वह कांग्रेस में शामिल होकर सक्रिय राजनीति में कूद पड़ी। उसके बाद उन्होंने आजादी के आन्दोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

1942 में उन्होंने फिरोज गांधी से प्रेम विवाह किया किन्तु 1960 में फिरोज गांधी का अकस्मात् निधन हो गया। पिता जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद देश की बागडोर संभालने की जिम्मेदारी इंदिरा के कंधों पर आई तो अपनी दृढ़ता, दबंगता, निडरता और वाकपटुता से उन्होंने दुनियाभर को अपना लोहा मानने को विवश कर दिया। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित एवं प्रभावशाली देशों में भी उनकी तूती बोलती थी। 1966 से 1977 तक उन्होंने देश पर एकछत्र शासन किया और उनकी कार्यशैली तथा देश के प्रति उनका समर्पण भाव देखकर विरोधी भी उनकी सराहना किए बिना नहीं रह पाते थे। हालांकि लालबहादुर शास्त्री के बाद प्रधानमंत्री बनी इंदिरा को शुरूआती दौर में 'गूंगी गुड़िया' की उपाधि दी गई थी किन्तु बहुत ही कम समय में अपने साहसिक निर्णयों से इंदिरा ने साबित कर दिखाया था कि वो एक 'गूंगी गुड़िया' नहीं बल्कि 'लौह महिला' हैं।

बैंकों के राष्ट्रीयकरण तथा 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारत की शानदार जीत के बाद इंदिरा जी जनमानस की आंखों का तारा बन गई थी किन्तु 1975-77 के आपातकाल ने उनकी छवि पर ग्रहण लगाने में प्रमुख भूमिका निभाई और उस दौर ने उनकी छवि एक तानाशाह के रूप में स्थापित कर दी। यही वजह रही कि 1977 में इंदिरा को पहली बार हार का सामना करना पड़ा और सत्ता उनके हाथ से छिन गई किन्तु निराश होना तो जैसे उन्होंने सीखा ही नहीं था, इसलिए 1980 में एक बार फिर विशाल बहुमत के साथ वह सत्ता में लौटी। अपने शासनकाल में उन्होंने कभी अलगावादी व साम्प्रदायिक आग भड़काने वाले तत्वों को नहीं पनपने दिया। ऐसे तत्वों को उन्होंने बेदर्दी से कुचलने में जरा भी देर नहीं लगाई।

1980 में पुनः देश का शासन संभालने के बाद पंजाब में अलगाववादी ताकतों ने खालिस्तान की मांग शुरू की और दूसरे देशों की शह पर अपने नापाक इरादों को सफल बनाने के लिए सिख अलगावादियों ने भयानक नरसंहार का दौर शुरू किया तथा पंजाब में अवैध रूप से हथियारों के जखीरे इकट्ठा करने शुरू कर दिए। देश की जांबाज, निडर एवं साहसी नेता इंदिरा को भला यह कैसे सहन होता, इसलिए जैसे ही उन्हें खबर मिली कि सिख अलगाववादियों ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर जैसी पाक जगह में भी हथियारों का विशाल जखीरा इकट्ठा किया है तो उन्हें देश की एकता और अखंडता कायम रखने तथा अलगावावादियों के मंसूबों पर पानी फेरने के लिए इस पवित्र धर्मस्थल के भीतर न चाहते हुए भी 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' के तहत पुलिस भेजने का सख्त निर्णय लेना पड़ा। हालांकि उस वक्त स्वर्ण मंदिर के भीतर पुलिस बल भेजने के उनके फैसले की बहुत आलोचना हुई किन्तु जब स्वर्ण मंदिर से हथियारों का बहुत बड़ा जखीरा बरामद हुआ और धार्मिक स्थल की आड़ में चल रही इस राष्ट्र विरोधी साजिश का भंडाफोड़ हुआ तो उन्हीं लोगों ने इंदिरा जी की सराहना भी की। उसके बाद इंदिरा ने जिस दिलेरी और दृढ़ता के साथ अलगावावादियों को रौंदा, वह एक मिसाल बन गया लेकिन अलगावावादियों के विरूद्ध चलाए गए उनके इसी ऑपरेशन की वजह से ही वह उनकी हिट लिस्ट में सबसे ऊपर आ गई, जिन्होंने हर हाल में उनकी हत्या कर उन्हें अपने मार्ग से हटाने की ठान ली।

इंदिरा जी को स्वयं अपनी मौत का आभास पहले ही हो गया था लेकिन फिर भी वह अपने दृढ़ इरादों से टस से मस न हुई और अलगावावादियों के खिलाफ अपना अभियान पहले से भी तेज कर दिया। 30 अक्तूबर 1984 को भुवनेश्वर की एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए इंदिरा ने अपनी हत्या का पूर्वाभास होने का स्पष्ट संकेत देते हुए कहा था, ''देश की सेवा करते हुए यदि मेरी जान भी चली जाए तो मुझे गर्व होगा। मुझे भरोसा है कि मेरे खून की एक-एक बूंद देश के विकास में योगदान देगी और देश को मजबूत एवं गतिशील बनाएगी।''

इंदिरा जी के इस भाषण के चंद घंटों बाद ही 31 अक्तूबर 1984 की सुबह करीब सवा नौ बजे उनके दो निजी अंगरक्षकों ने ही उन्हें उस वक्त गोलियों से छलनी कर दिया, जब वह अपने आवास से निकलकर विदेशी मीडिया को इंटरव्यू देने जा रही थी। उस हत्याकांड से जहां पूरे देश में शोक की लहर छा गई, वहीं दूसरी ओर इंदिरा जी का शहीदी रक्त रंग लाया और इस नृशंस हत्याकांड के बाद सिख अलगावावादियों को मदद मिलनी बंद हो गई तथा इंदिरा जी की शहादत के साथ ही खालिस्तान की मांग भी गहरे दफन हो गई। इंदिरा जी अक्सर कहा करती थी कि उन कायरों और बुजदिलों पर मातम करो, जो दुनिया के जुल्मों से घबराकर इस तरह आंखें बंद कर लेते हैं, जैसे कि कुछ हुआ ही न हो।

भारत समिट के नाम पर मोदी विरोध का षड़यंत्र



ललित गर्ग

यदि किसी राजनीतिक दल को सत्ता में वापसी करनी है तो उसे जनता के बीच जाना होगा। उसे बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान, युवा, महिला सुरक्षा और आर्थिक विकास जैसे मुद्दों पर अपना वैकल्पिक मॉडल देना होगा। केवल यह कहना कि लोकतंत्र खतरे में है, पर्याप्त नहीं। लोकतंत्र पर खतरे का दावा प्रमाण मांगता है।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि उसमें सत्ता से असहमति के लिए पर्याप्त स्थान होता है। सरकार की नीतियों की आलोचना करना, उसके निर्णयों पर प्रश्न उठाना और जनता के सामने वैकल्पिक राजनीतिक दृष्टिकोण रखना विपक्ष का संवैधानिक अधिकार ही नहीं, लोकतांत्रिक दायित्व भी है। लेकिन जब किसी चुनी हुई सरकार का विरोध करने के लिए विदेशी राजनीतिक शक्तियों को मंच उपलब्ध कराया जाने लगे और देश के आंतरिक लोकतांत्रिक प्रश्नों को अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श का विषय बनाया जाए, तब सवाल केवल राजनीतिक नहीं रह जाता, बल्कि राष्ट्रीय स्वाभिमान, संप्रभुता और लोकतांत्रिक मर्यादा से जुड़ जाता है। हैदराबाद में 13-14 नवंबर 2026 को आयोजित 'भारत समिट' इसी कारण राजनीतिक विवाद के केंद्र में आ गया। कांग्रेस और तेलंगाना सरकार इसे वैश्विक चुनौतियों-जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आर्थिक न्याय, निवेश, लोकतंत्र और विकास पर विमर्श का अंतरराष्ट्रीय मंच बता रही हैं। दूसरी ओर भाजपा ने सम्मेलन में कुछ विदेशी वक्ताओं की टिप्पणियों को आधार बनाकर इसे 'एंटी-भारत समिट' तक कहा है। दोनों पक्षों के अपने राजनीतिक तर्क हैं। लेकिन इस पूरे विवाद के बीच एक अधिक गंभीर प्रश्न उभरता है-क्या भारत की आंतरिक राजनीति में विदेशी राजनीतिक हस्तक्षेप को सामान्य लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा मान लिया जाना चाहिए? वैसे भी लोकतंत्र में सत्ता का विरोध हो, लेकिन राष्ट्रहित की कीमत पर नहीं।

यह प्रश्न किसी एक दल के पक्ष या विपक्ष में खड़े होकर नहीं, बल्कि राष्ट्रहित की कसौटी पर विचार करने की मांग करता है। विदेशी विद्वानों, अर्थशास्त्रियों, पर्यावरण विशेषज्ञों और लोकतांत्रिक चिंतकों को भारत में आमंत्रित करना अपने आप में कोई गलत बात नहीं है। भारत सदियों से 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना में विश्वास करता आया है। दुनिया के साथ संवाद भारतीय सभ्यता की शक्ति है। जलवायु संकट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वैश्विक अर्थव्यवस्था, युद्ध, शांति और मानवाधिकार जैसे विषय किसी एक देश की सीमाओं में बंद नहीं रह सकते। ऐसे विषयों पर अंतरराष्ट्रीय संवाद आवश्यक है। समस्या वहां शुरू होती है, जहां वैश्विक संवाद राजनीतिक प्रचार का माध्यम बन जाए और विदेशी राजनीतिक व्यक्तियों से भारत की निर्वाचित सरकार, चुनाव प्रक्रिया अथवा देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं पर ऐसे आरोप लगवाए जाएं, जिनका प्रमाण सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत न किया गया हो। हैदराबाद सम्मेलन में इतालवी समाजवादी नेता जियाकोमो फिलिबेक की कथित टिप्पणी ने इसी विवाद को जन्म दिया। राहुल गांधी की उपस्थिति में भारतीय चुनाव व्यवस्था पर



सवाल उठाने और 'वोट चोर-गद्दी छोड़' जैसे राजनीतिक नारे से जुड़ा प्रसंग इस बहस को और तीखा बना गया। यहां मूल प्रश्न यह नहीं है कि किसी विदेशी नागरिक को भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर राय रखने का अधिकार है या नहीं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए वह राय रख सकता है। प्रश्न यह है कि क्या भारत की घरेलू राजनीतिक लड़ाई में विदेशी राजनीतिक नेताओं को सक्रिय पक्षकार बनाया जाना चाहिए?

लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन जनता करती है, विदेशी शक्तियां नहीं। यदि किसी भारतीय राजनीतिक दल को लगता है कि चुनाव व्यवस्था में कोई कमी है, तो उसके पास संसद है, न्यायपालिका है, निर्वाचन आयोग है, मीडिया है और सबसे बड़ी शक्ति-भारत की जनता है। वह चुनाव परिणामों को चुनौती दे सकता है, न्यायालय जा सकता है, प्रमाण प्रस्तुत कर सकता है और जनता के बीच अभियान चला सकता है। लेकिन यदि वह अपने राजनीतिक आरोपों को पुष्ट करने के लिए विदेशी राजनीतिक मंचों एवं विदेशी राजनेताओं का सहारा लेने लगे, तो इससे अंततः उसकी अपनी लोकतांत्रिक विश्वसनीयता कमजोर होती है। यहां कांग्रेस से एक गंभीर प्रश्न पूछा जाना चाहिए-क्या भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं में विश्वास इतना कमजोर हो गया है कि अपने राजनीतिक आरोपों को प्रमाणित करने के लिए विदेशी आवाजों की आवश्यकता पड़ने लगी है? और यही प्रश्न भाजपा से भी पूछा जाना चाहिए। हर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को 'भारत विरोधी' या हर आलोचना को 'विदेशी साजिश' बताना भी लोकतांत्रिक परिपक्वता नहीं है। भारत इतना विशाल और आत्मविश्वासी लोकतंत्र है कि वह आलोचना से डरकर नहीं, बल्कि तथ्यों और तर्कों से उसका उत्तर दे सकता है। विदेशी अतिथि की अनुचित टिप्पणी का विरोध होना चाहिए, लेकिन हर असहमति को राष्ट्रविरोध की संज्ञा देना भी उचित नहीं।

इस विवाद का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि भारत की विदेश नीति और राष्ट्रीय हित को घरेलू दलगत राजनीति से अलग रखने की परंपरा कमजोर होती दिखाई दे रही है। विदेश नीति किसी कांग्रेस, भाजपा या किसी अन्य राजनीतिक दल की निजी संपत्ति नहीं होती। वह 140 करोड़ से अधिक भारतीयों की सामूहिक आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है। सरकारें आती-जाती हैं, लेकिन राष्ट्र स्थायी रहता है। भारत ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन की परंपरा से लेकर आज की बहुध्रुवीय विश्व-व्यवस्था तक हमेशा अपनी स्वतंत्र विदेश नीति की पहचान बनाए रखी है। उसने अमेरिका, रूस, यूरोप, जापान, अरब देशों, अफ्रीका और वैश्विक दक्षिण-सभी के साथ अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर संबंध बनाए हैं। ऐसे देश के लिए यह आवश्यक है कि घरेलू राजनीतिक मतभेदों को अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक संघर्ष का हिस्सा न बनाया जाए। सरकार का विरोध देश का विरोध नहीं है। लेकिन सरकार का विरोध करने के लिए विदेशी राजनीतिक शक्तियों को भारत की आंतरिक राजनीति में सक्रिय भूमिका देना निश्चित रूप से गंभीर चिंता का विषय है। इसी अंतर को समझना आज भारतीय लोकतंत्र के लिए अत्यंत आवश्यक है। राष्ट्रीय एकता का अर्थ यह नहीं कि देश में विपक्ष समाप्त हो जाए। राष्ट्रीय एकता का अर्थ है-विचार अलग हों, राजनीतिक दल अलग हों, सरकार और विपक्ष एक-दूसरे की तीखी आलोचना करें, लेकिन भारत के हित, भारत की संप्रभुता और भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति मूल प्रतिबद्धता साझा रहे।

यदि किसी राजनीतिक दल को सत्ता में वापसी करनी है तो उसे जनता के बीच जाना होगा। उसे बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान, युवा, महिला सुरक्षा और आर्थिक विकास जैसे मुद्दों पर अपना वैकल्पिक मॉडल देना होगा। केवल यह कहना कि लोकतंत्र खतरे में है, पर्याप्त नहीं। लोकतंत्र पर खतरे का दावा प्रमाण मांगता है। चुनावी पराजय का उत्तर विदेशी मंच नहीं, जनविश्वास होता है। इसी तरह सरकार और सत्तारूढ़ दल को भी आत्ममंथन करना चाहिए। यदि कोई विपक्ष लोकतंत्र या चुनाव प्रणाली पर सवाल उठाता है तो उसे केवल राजनीतिक आरोप मानकर खारिज करने के बजाय पारदर्शिता, संस्थागत विश्वसनीयता और संवाद के माध्यम से जनता के विश्वास को मजबूत करना चाहिए। लोकतंत्र में विश्वास केवल भाषणों से नहीं, संस्थाओं के व्यवहार से बनता है। भारत आज विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह बना रहा है और वैश्विक मंचों पर उसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। ऐसे समय में देश की आंतरिक राजनीतिक लड़ाई को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर ले जाना एक ऐसी परंपरा को जन्म दे सकता है जिसका भविष्य में दुरुपयोग किसी भी दल के विरुद्ध हो सकता है। आज यदि सत्ता पक्ष के विरुद्ध विदेशी हस्तक्षेप स्वीकार्य बना दिया गया, तो कल यही हथियार किसी दूसरे राजनीतिक दल के विरुद्ध इस्तेमाल हो सकता है। इसलिए यह प्रश्न कांग्रेस बनाम भाजपा का नहीं, बल्कि भारत बनाम राजनीतिक अवसरवाद का होना चाहिए। 'भारत समिट' सचमुच भारत को विश्व के साथ संवाद का नया मंच बनाता है तो उसका स्वागत होना चाहिए। लेकिन यदि भारत के नाम पर आयोजित मंच भारत की घरेलू राजनीतिक लड़ाई को विदेशी हस्तक्षेप का माध्यम बना देता है, तो उसकी आत्मा पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। भारत को विदेशी विचारों से डरने की जरूरत नहीं है, लेकिन भारत की राजनीतिक नियति तय करने का अधिकार केवल भारत की जनता को होना चाहिए। सत्ता किसी विदेशी समर्थन से नहीं, लोकतांत्रिक जनादेश से मिलती है और जाती है। अंततः लोकतंत्र की असली शक्ति यही है कि हम सरकार की कठोर आलोचना कर सकें, विपक्ष के तर्कों को सुन सकें, विदेशी विचारों से संवाद कर सकें, लेकिन निर्णायक अधिकार भारतीय नागरिक के हाथ में रहे। भारत की राजनीति में मतभेद रहें, मनभेद न हों। संघर्ष हो, लेकिन संप्रभुता से समझौता न हो। सत्ता के लिए प्रतिस्पर्धा हो, लेकिन राष्ट्रहित की सीमा लांघकर नहीं। क्योंकि सरकार बदल सकती है, राजनीतिक समीकरण बदल सकते हैं, चुनावी परिणाम बदल सकते हैं, लेकिन भारत की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक संप्रभुता किसी भी दल की राजनीतिक रणनीति से बड़ी है। यही भारत की लोकतांत्रिक मर्यादा है और यही उसकी राष्ट्रीय शक्ति भी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

स्कूली वाहनों में मिली खामियां, 15 के चालान और एक सीज

किसी में सीसीटीवी नहीं तो किसी में जीपीएस और स्पीड लिमिटिंग डिवाइस गायब

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर जिम्मेदार विभागों की सख्ती के बावजूद बच्चों को स्कूल लाने-ले जाने वाले वाहनों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी हो रही है।

कोटद्वार में चलाए गए विशेष जांच अभियान के दौरान कहीं सीसीटीवी कैमरे गायब मिले तो कहीं जीपीएस और अन्य जरूरी उपकरण नहीं पाए गए। नियमों की अनदेखी पर 15 वाहनों के चालान किए गए, जबकि फिटनेस समाप्त होने पर एक वाहन को सीज कर दिया गया। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के निर्देश पर 16 से 22 नवंबर तक विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में कोटद्वार में स्कूल बसों, वैन और बच्चों के परिवहन में इस्तेमाल होने वाले अन्य वाहनों की जांच की गई। इस दौरान कुछ वाहनों


वाहनों का निरीक्षण करते अधिकारी

की फिटनेस अवधि समाप्त मिली, जबकि कुछ में सीसीटीवी कैमरे नहीं थे। इसके अलावा बीमा प्रमाणपत्रों में कमियां, खराब सीटें और जीपीएस व स्पीड लिमिटिंग डिवाइस (एसएलडी) का अभाव भी सामने आया। जांच टीम ने नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की। वहीं, फिटनेस समाप्त होने पर सीज किए गए वाहन में सवार बच्चों को सुरक्षित रूप से दूसरी बस में स्थानांतरित किया गया, ताकि उनकी आवाजाही प्रभावित न हो। अभियान का उद्देश्य स्कूली वाहनों को निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप संचालित कराना और बच्चों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना है। साथ ही विद्यार्थियों को यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने पर भी जोर दिया जा रहा है। अभियान में न्यायाधीश प्रज्ञा तिवारी, एआरटीओ अमित कुमार, सीओ अस्मिता ममगाईं, आरआइ टेक्निकल विकास कुमार सहित परिवहन विभाग की टीम शामिल रही।

धूमधाम से मनाया जाएगा पारंपरिक ईगास का पर्व

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : आदिशक्ति मां भुवनेश्वरी मंदिर विकास मिशन की ओर से विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी पारंपरिक लोकपर्व ईगास को बड़े धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। पर्व को पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार मनाने की तैयारियां की जा रही हैं।

मंदिर विकास मिशन के महामंत्री सोमनाथ नैथानी ने जानकारी देते हुए बताया कि मिशन की ओर से प्रतिवर्ष ईगास का पर्व पारंपरिक तरीके से मनाया जाता है। इस वर्ष भी पर्व को पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि ईगास उत्तराखंड की लोक संस्कृति, परंपराओं और धार्मिक आस्था से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को अपनी लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना भी है।

मांगें पूरी नहीं हुई तो तेज करेंगे आंदोलन


कोटद्वार तहसील परिसर में बुधवार को धरने पर बैठी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता।

मानदेय में वृद्धि और सेवानिवृत्ति पर 10 लाख रुपये देने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मानदेय में बढ़ोत्तरी सहित विभिन्न मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का धरना बुधवार को भी जारी रहा। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द उनकी मांगों का निराकरण नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

जिलाध्यक्ष बसंती रावत और ब्लाक अध्यक्ष संगीता भट्ट के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने तहसील परिसर में धरना दिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि वे पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रही हैं, लेकिन इसके बावजूद सरकार उनकी मांगों की अनदेखी कर रही है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि उनके कार्य और जिम्मेदारियों को देखते हुए मानदेय में प्रतिदिन 140 रुपये की वृद्धि की जानी चाहिए। वहीं, सहायिकाओं और मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में प्रतिदिन 70 रुपये की बढ़ोत्तरी की जाए। इसके अलावा सेवानिवृत्ति पर अंशदान कल्याण कोष से एकमुश्त 10 लाख रुपये देने की मांग भी उठाई। कार्यकर्ताओं ने कहा कि नौ नवंबर को मुख्यमंत्री ने दिसंबर से मानदेय बढ़ाने की घोषणा की थी, लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि मानदेय में कितनी वृद्धि होगी। ऐसे में प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर आंदोलन जारी रखा गया है।

धरना-प्रदर्शन में मधु ममगाईं, मंजू देवी, कुसुम रावत, ललिता, रोशनी देवी, नीलम नेगी, बबीता, सुरभि, पुष्पा रावत, प्रीति, प्रियंका, लक्ष्मी, अनीता, सीमा, मीनाक्षी, राखी, सुनीता, हेमलता, अंबिका और संपत्ति आदि मौजूद रहीं।

आज सजेगा जिला विज्ञान महोत्सव, 15 विकासखंडों के विद्यार्थी दिखाएंगे प्रतिभा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विज्ञान और तकनीक के जरिए विकास की नई संभावनाओं को तलाशने के लिए गुरूवार को आदर्श राजकीय इंटर कालेज कोटद्वार में जिला विज्ञान महोत्सव आयोजित किया जाएगा। महोत्सव में जिले के 15 विकासखंडों के छात्र-छात्राएं अपनी वैज्ञानिक सोच और नवाचार का प्रदर्शन करेंगे। इसके लिए जूनियर और सीनियर वर्ग में मॉडल प्रदर्शनी और विज्ञान नाटक सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

महोत्सव की तैयारियों को लेकर गुरुवार को खंड शिक्षा अधिकारी दुगड्डा वर्षा भारद्वाज ने आयोजन समिति की बैठक ली। उन्होंने आयोजन को व्यवस्थित और सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही विभिन्न व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपने के लिए समितियों का गठन कर तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। जिला विज्ञान संयोजक दौलत सिंह गुसाईं ने बताया कि इस वर्ष महोत्सव का मुख्य विषय ह्यसतत एवं विकसित भारत के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचारह्ण रखा गया है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में अपनी रचनात्मक सोच और नवाचार प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। नगर निगम कोटद्वार के महापौर शैलेंद्र सिंह रावत महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

कोटद्वार में आयोजित होगा मेगा रोजगार मेला

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला प्रशासन के सहयोग और कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग की ओर आगामी दिसंबर महीने में डॉ. पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल हिमालयन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में मेगा रोजगार मेला आयोजित किया जायेगा। प्रस्तावित मेले में 40 से अधिक कंपनियां युवाओं को उनकी शैक्षिक और तकनीकी दक्षता के अनुसार रोजगार के अवसर मुहैया कराएंगी। मेले में विनिर्माण क्षेत्र, सिडकुल की औद्योगिक इकाइयों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), होटल व हॉस्पिटैलिटी, रिटेल, मॉल सहित विभिन्न निजी क्षेत्रों की कंपनियां इसमें प्रतिभाग करेंगी। कंपनियों के प्रतिनिधि अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लेकर चयन प्रक्रिया पूरी करेंगे। जिला सेवायोजन अधिकारी अजय सिंह ने बताया कि हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, आईटीआई, पॉलिटेक्निक डिप्लोमा, स्नातक और परास्नातक के साथ ही तकनीकी योग्यता रखने वाले युवा मेले में प्रतिभाग कर सकेंगे।

राइफलमैन जसवंत सिंह का शौर्य सैन्य इतिहास का गौरवशाली अध्याय

पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने कहा, वीरभूमि के सपूतों का बलिदान हमेशा प्रेरित करता रहेगा

जयन्त प्रतिनिधि । कोटद्वार : महानगर कांग्रेस कमेटी की ओर से अमर बलिदानी राइफलमैन जसवंत सिंह रावत की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने उन्हें नमन करते हुए कहा कि उत्तराखंड की धरती वीरों की जननी रही है। यहां के वीर सपूतों ने देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया है। राइफलमैन जसवंत सिंह रावत का अदम्य साहस और बलिदान भारतीय सैन्य इतिहास का गौरवशाली अध्याय है, जिसे देश कभी नहीं भुला सकता।

कांग्रेस कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने राइफलमैन जसवंत सिंह रावत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर सुरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि देवभूमि के वीर सपूतों ने अपने प्राणों की आहुति देकर राष्ट्र की एकता और अखंडता को मजबूत किया है। जसवंत सिंह रावत का जीवन और उनका शौर्य आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत



कोटद्वार स्थित महानगर कांग्रेस कार्यालय में राइफलमैन जसवंत सिंह रावत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी।

रहेगा। उन्होंने बताया कि 19 अगस्त 1941 को पौड़ी गढ़वाल के बीरोंखाल ब्लॉक स्थित बाड़यूं गांव में जन्में जसवंत सिंह रावत मात्र 19 वर्ष की आयु में भारतीय सेना की चौथी गढ़वाल राइफल्स में भर्ती हुए थे। वर्ष 1962 में भारत-चीन युद्ध के दौरान अरुणाचल प्रदेश के नूरानांग क्षेत्र में 17 नवंबर को चीनी सेना ने भारतीय मोर्चों पर भीषण हमला किया। इस दौरान जसवंत सिंह रावत ने लांस नायक त्रिलोक सिंह नेगी और राइफलमैन गोपाल सिंह गुसाईं के साथ मिलकर अदम्य साहस और वीरता का परिचय दिया। उनके असाधारण शौर्य और सर्वोच्च बलिदान के लिए मरणोपरांत महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। वहीं, लांस नायक त्रिलोक सिंह नेगी और राइफलमैन गोपाल सिंह गुसाईं को भी उनकी वीरता के लिए वीर चक्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में बृजपाल सिंह नेगी, साबर सिंह नेगी, विजय रावत, जानकी बुडाकोटी, प्रवीन जोशी, देवेंद्र सिंह नेगी, राजीव कपूर, सत्येंद्र नेगी, अमित राज सिंह, प्रदीप नेगी, चंद्रमोहन सिंह रावत, धर्मेंद्र सिंह रावत और कृपाल सिंह नेगी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

चोरी की घटना का पुलिस ने किया खुलासा

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : पर्यटन नगरी लैंसडौन में ज्वैलरी की दुकान का ताला तोड़कर लाखों रुपये के आभूषण चोरी करने की घटना का पुलिस ने महज 24 घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस ने मामले में 16 वर्षीय विधि विवादित किशोर को जयहरीखाल रोड स्थित नागेश्वर मंदिर के पास से संरक्षण में लिया। उसके कब्जे से चोरी किए गए सभी आभूषण बरामद कर लिए गए।

दुकान स्वामी रितिक शाह की शिकायत पर कोतवाली लैंसडौन में मुकदमा दर्ज किया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी सर्वेश पंवार के निर्देश पर गठित पुलिस टीम ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से आरोपी तक पहुंच बनाई। बरामद आभूषणों में सात नेकलेस, दो रानीहार, दो नथ, एक बुलाक और एक लॉकेट शामिल हैं। विधि विवादित किशोर को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया जा रहा है। इस त्वरित कार्रवाई में अपर उपनिरीक्षक हरीश चंद्र, एहसान अली सहित कोतवाली पुलिस एवं सीआईयू की टीम शामिल रही।

मतदाता ले रहे मतदान प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण

श्रीनगर गढ़वाल : मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से तहसील परिसर में बैलेट यूनिट और वीवीपैट मशीन लगाई गई है। एक माह तक तहसील पहुंचने वाले नए और पुराने मतदाता इन मशीनों के माध्यम से मतदान की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण ले सकेंगे।

पिछले तीन दिनों में ही 57 मतदाताओं ने मशीन का उपयोग कर वोट डालने की प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की है।

तहसीलदार दीपक भंडारी ने बताया कि मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने को लेकर परीक्षण के तौर पर यह व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि कोई भी मतदाता तहसील पहुंचकर बैलेट यूनिट के माध्यम से मतदान करने और वीवीपैट में अपने मत की पुष्टि करने की प्रक्रिया समझ सकता है। यह मशीन एक माह तक तहसील परिसर में उपलब्ध रहेगी। इससे मतदाताओं को मतदान के दौरान होने वाली प्रक्रिया की पहले से जानकारी मिल सकेगी। आइटीआई श्रीनगर के कर्मचारी प्रदीप नेगी, शाहरुख बतौर मास्टर ट्रेनर मतदाताओं को जानकारियां दे रहे हैं। (एजेंसी)

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर कृमि मुक्ति जागरूकता अभियान आयोजित

कोटद्वार, राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर डॉ. पी.डी.बी.एच. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार में राष्ट्रीय सेवा योजना (ठरर), रोवर्स–रेंजर्स, एंटी ड्रग सेल एवं बी.एड. विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कृमि मुक्ति जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।

प्राचार्य डॉ. डी. एस. नेगी दिशा निर्देशों के अनुसार आयोजित अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों एवं आमजन में कृमि संक्रमण से बचाव, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वच्छता अभियान, नुक्कड़ नाटक एवं जागरूकता रैली आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक एवं रैली के माध्यम से स्वच्छता अपनाने, भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद हाथ धोने तथा कृमि संक्रमण से बचाव के उपायों के प्रति लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम



के दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. डी.एस. नेगी एवं प्राध्यापकों द्वारा छात्र–छात्राओं को एल्बेंडाजोल की गोलियों का वितरण किया गया। प्राचार्य डॉ. डी.एस. नेगी ने विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति सजग रहने तथा स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया।

इस अवसर पर रोवर्स–रेंजर्स प्रभारी डॉ. सुषमा थलैड़ी, एंटी ड्रग सेल संयोजक डॉ. आशाराम बिजलवान, ठरर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जितेंद्र दिवाकर, डॉ. रजनी चमोली, रोवर्स वरिष्ठ सदस्य डॉ. जे.सी. भट्ट एवं श्रीमती लीला सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को विकसित करना तथा कृमि संक्रमण की रोकथाम के प्रति व्यापक जागरूकता उत्पन्न करना रहा।

जनजातीय गौरव दिवस एवं पुष्पांजलि का आयोजन



जयन्त प्रतिनिधि । कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम एवं पुष्पांजलि का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भगवान बिरसा मुंडा की स्मृति में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गई तथा आदिवासी जीवन पर केंद्रित एक संक्षिप्त विचार एवम् काव्य अभिव्यक्ति गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम का आरंभ महाविद्यालय के प्राचार्य ने भगवान बिरसा मुंडा के स्वरूप को पुष्पांजलि तथा माल्यार्पण द्वारा किया। तत्पश्चात शिक्षकों ने अपने विचार रखे। इसी के साथ दिनांक 5 नवंबर को आयोजित की गई क्विज तथा दिनांक 18 नवंबर को आयोजित की गई काव्यअभिव्यक्ति प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को आदिवासी साहित्य, आलोचना तथा लेखन से संबंधित पुस्तकें भी वितरित की गईं। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षक कर्मचारी तथा पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्राध्यापक अरविन्द दुदपुड़ी समेत अनेक छात्र–छात्र उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का धरना जारी

श्रीनगर गढ़वाल : मानदेय वृद्धि सहित अन्य मांगों को लेकर कार्य बहिष्कार कर रही आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने बुधवार को भी तहसील परिसर में धरना देते हुए प्रदर्शन किया।

उन्होंने कहा कि जब तक उनकी मांगों को लेकर शासनादेश जारी नहीं हो जाता आंदोलन जारी रहेगा।

जिले में 74060 बच्चों को खिलाई गई एल्बेंडाजोल की दवाई

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : बुधवार को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर स्वास्थ्य विभाग पौड़ी की टीम द्वारा आदर्श मॉर्डन स्कूल प्रेमनगर और राजकीय इंटर कॉलेज मैसमोर पौड़ी में कुल 144 बच्चों को कृमि नाशक दवा एल्बेंडाजोल दवा खिलायी गई। जबकि जनपद में 1 से 19 वर्ष के 74060 बच्चों को एल्बेंडाजोल की दवाई खिलाई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को कृमि संक्रमण से मुक्त करना तथा उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार लाना है। बच्चों को कृमि नाशक दवा एल्बेंडाजोल खिलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा बच्चों को कृमिनाशक दवा के महत्व एवं उसके लाभों के बारे में जानकारी दी गई। दोनों विद्यालयों में कुल 144 बच्चों को कृमिनाशक दवा खिलायी गई। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. मेघना असवाल ने बताया



कि बुधवार को जनपद में 1 से 19 वर्ष के 74060 बच्चों को एल्बेंडाजोल की दवाई खिलाई गई। दवाई खाने से छुटे बच्चों को 25 नवंबर 2026 को मॉप अप दिवस पर दवाई खिलाई जाएगी। इसके साथ ही आंगनवाड़ी केंद्रों में हड़ताल के कारण बच्चों को दवाई नहीं खिलाई जा सकी, अब आंगनवाड़ी केंद्रों में हड़ताल समाप्ति के बाद राज्य से प्राप्त दिशा निर्देशों के उपरांत आंगनवाड़ी केंद्रों में पंजीकृत बच्चों को एल्बेंडाजॉल दवाई खिलाई जाने हेतु अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य अरुण नैथानी, डॉ. योगेंद्र सिंह आर.के.एस.के. मैनेजर, मनमोहन पटवाल, आर.बी.एस.के. मैनेजर निम्मी कुकरेती, शुभम रावत, वैजयंती रावत के साथ ही विद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई–टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चौक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. Date	253-DRM-MB-26-27 dt. 18.11.2026		
Name of work	Heavy Repair to Bridges and inspection steps at all important and major Bridge in the section of SSE/W/CH under ADEN/CH.		
Tender Closing Date Time	15.12.2026	Advertised Value (Rs.)	79,99,999.39
Earnest Money (Rs.)	1,60,000.00	Tender Cost (Rs.)	00
Bidding Start Date	01.12.2026	Period of Completion	12 Months

पत्रांक : 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक : 18.11.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 4017/2026

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/IV द्वारा निम्नलिखित ई–टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित है। जो उसी दिन 16.00 बजे तक प्राप्त किये, जायेगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशी का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नही होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	255-DRM-MB-26-27 Date 13.11.26	256-DRM-MB-26-27 dt. 13.11.2026
कार्य का नाम	Provision of cover shed at LHS No. 01, 02, 03, 04 in KJY-MTC section under ADEN/HPU and provision of barrier type water proofing in existing LHS/RUB joint to prevent seepage through joints under Sr.DEN/IV/MB.	Provision of cover shed at LHS No. 18, 40 & 49 in MB-GZB section under ADEN/GJL and Covering approach road, raising walls and joint grouting at LHS 11A (km 12.239) & 13A (km 13.222) between NBD-SNX under ADEN/NBD.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	10.12.2026	10.12.2026
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00	16:00
अनुमानित लागत	6,30,29,392.03	5,03,36,956.14
धरोहर राशि	12,60,600.00	10,06,700.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	08 माह	08 माह
बिडिंग स्टार्ट तिथि	26.11.2026	26.11.2026

टेन्डर नं- Sr.DEN-IV/Publication/26-27

दिनांक : 18.11.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 4023/2026

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०

(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)

कॉरपोरेट आइडेन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार के अन्तर्गत निम्न वर्णित कार्यो के निष्पादन हेतु अनुभवी, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रदत्त विद्युत ठेकेदारी 'ए' श्रेणी लाईसेन्स प्राप्त (आयकर, जी0एस0टी0 व ई0पी0एफ0 में पंजीकृत) एवं पंजीकृत ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदाएं दो भागों में (प्रथम भाग में धरोहर धनराशि तथा द्वितीय भाग में दरें जो कि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 6 माह के लिए वैध हो) दिनांक 09.12.2026 के 13.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है जो कि उसी दिन 15.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख अधोहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से दिनांक 24.06.2026 को 13.00 बजे तक प्रति निविदा के नकद भुगतान करके प्राप्त किए जा सकते हैं। धरोहर धनराशि किसी भी बैंक/डाकघर की एफडीआर/सीडीआर/राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में अधोहस्ताक्षरकर्ता के पक्ष में बंधक होनी चाहिए। बिना धरोहर धनराशि के निविदा भाग दो नहीं खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने के दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताए समस्त अथवा किसी भी निविदा को निरस्त कर सकते हैं।

निविदा संख्या	निविदा प्रपत्र क्रय राशि (जीएसटी अतिरिक्त)	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0)
24/2026–27	रू0 500/–	वि०वि० उपखण्ड प्रथम कोटद्वार के अन्तर्गत कौडिया में सीवज पम्पिंग योजना के लिये लाइन निर्माण का कार्य।	16000.00
25/2026–27	रू0 500/–	वि०वि० उपखण्ड तृतीय जयहरीखाल के अन्तर्गत विभिन्नो स्थानो में एलटी लाइन पर स्थापित जीर्ण–शीर्ण व क्षतिग्रस्त पोलो को बदलने/मरम्मत का कार्य।	29000.00
26/2026–27	रू0 500/–	वि०वि० उपखण्ड तृतीय जयहरीखाल के अन्तर्गत विभिन्नो स्थानो में 11 केवी लाइन पर स्थापित जीर्ण–शीर्ण व क्षतिग्रस्त पोलो को बदलने/मरम्मत का कार्य।	24500.00
27/2026–27	रू0 100/–	वि०वि० उपखण्ड तृतीय जयहरीखाल के अन्तर्गत कैंट बोर्ड लैन्सडाउन में स्ट्रीट लाइट के लिये लाइन निर्माण का कार्य।	2000.00

पत्रांक : 3118/विविखको/टी–6
दिनांक : 18.11.2026

अधिशासी अभियन्ता,
विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

असम राइफल्स ने कोटद्वार में पूर्व सैनिकों व उनके परिजनों से किया संवाद

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : असम राइफल्स की ओर से बुधवार को उत्तराखंड के कोटद्वार में पूर्व सैनिकों एवं उनके परिजनों के सम्मान और कल्याण को लेकर विशेष संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

'जिन्होंने हमारी सेवा की, उनकी सेवा करना' थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में उत्तराखंड सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पूर्व सैनिकों, वीरता पुरस्कार विजेताओं, वीर नारियों, विधवाओं और उनके आश्रितों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में असम राइफल्स के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल विकास लखेड़ा, एवीएसएम, एसएम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वहीं, असम राइफल्स वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन की अध्यक्ष श्रीमती विभा लखेड़ा भी मौजूद रहीं। इस दौरान महानिदेशक ने देश की सुरक्षा में पूर्व सैनिकों के योगदान और उनके सर्वोच्च बलिदान की सराहना करते हुए कहा कि असम राइफल्स अपने पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के



लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पूर्व सैनिकों से अपने अनुभव, नेतृत्व क्षमता और कौशल का उपयोग समाज के विकास एवं राष्ट्र निर्माण में करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों की पेंशन संबंधी शिकायतों, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य कल्याणकारी समस्याओं के समाधान के लिए विशेष व्यवस्था की गई। इसके तहत शिकायत निवारण केंद्र, स्वास्थ्य जांच सुविधा, बैंकिंग सहायता काउंटर और पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना के सुविधा काउंटर स्थापित किए गए। साथ ही केंद्र सरकार की विभिन्न नीतियों और कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के दौरान मानवीय संवेदनशीलता की मिसाल पेश करते हुए जरूरतमंद परिवारों को सहायक उपकरण वितरित किए गए। शहीद पूर्व सैनिक के लकवाग्रस्त पुत्र को घर से काम करने में सहायता के उद्देश्य से डेस्कटॉप कंप्यूटर प्रदान किया गया। वहीं, सेवा के दौरान एक पैर गंवाने वाले पूर्व सैनिक को आवागमन में सुविधा और आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए स्कूटी भेंट की गई। इस अवसर पर विशेष सम्मान समारोह आयोजित कर विशिष्ट पूर्व सैनिकों, वीरता पुरस्कार विजेताओं, वीर नारियों और विधवाओं को उनके योगदान एवं बलिदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक भोज के साथ हुआ, जहां सेवारत जवानों और सेवानिवृत्त सैनिकों ने आपसी भाईचारे और सौहार्द को मजबूत किया। असम राइफल्स का यह आयोजन पूर्व सैनिकों के सम्मान, उनकी समस्याओं के समाधान और उनके परिवारों के कल्याण के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। 'जिन्होंने हमारी सेवा की, उनकी सेवा करना' के संदेश के साथ आयोजित इस कार्यक्रम ने पूर्व सैनिकों और संगठन के बीच विश्वास एवं आत्मीय संबंधों को और मजबूत किया।

श्रीनगर में लोकपर्व इगास मनाने की तैयारियां शुरू

श्रीनगर गढ़वाल : लोकपर्व इगास को पारंपरिक रीति-रिवाजों और लोकसंस्कृति के साथ मनाने के लिए श्रीनगर में तैयारियां शुरू हो गई हैं। बुधवार को नागेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित बैठक में पर्व को धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। इसके तहत 20 नवम्बर को सुबह मंदिर परिसर में पारंपरिक गढ़वाली व्यंजनों के साथ इगास मनाया जाएगा।

पर्व के मौके पर महिलाएं पारंपरिक तरीके से सिलबट्टे पर उड़द की दाल पीसकर पकोड़ी तैयार करेंगी। साथ ही पूरी भी बनाई जाएगी। मंदिर में भगवान नागेश्वर महादेव की पूजा-अर्चना कर पकवानों का भोग लगाया जाएगा। शाम को सरस्वती शिशु मंदिर में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसमें महिलाएं और छात्राएं पारंपरिक गढ़वाली वेशभूषा और आभूषणों में सजकर झुमैलो की प्रस्तुति देंगी। साथ ही पारंपरिक भेलू खेलकर इगास की खुशियां मनाई जाएंगी। आयोजन को लेकर बैठक भी आयोजित हुई, जिसमें नागेश्वर महादेव मंदिर के महंत नितिन पुरी, अनूप बहुगुणा, जितेंद्र रावत, दीपक उनियाल, वीरेंद्र रतूड़ी, महेश गिरी, कालीचरण रावत और मुकेश काला मौजूद रहे। (एजेंसी)

हास्य कलाकार संदीप छिलबट ने दर्शकों को खूब गुदगुदाया

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : स्थानीय कलाकारों के लोकगीत और लोकनृत्यों की बेहतरीन प्रस्तुतियों ने शरदोत्सव की दूसरी सांस्कृतिक संध्या में सतरंगी छटा बिखेरी। इस दौरान प्रसिद्ध हास्य कलाकार संदीप छिलबट ने अपने चुटीले हास्य व्यंग से दर्शकों को खूब गुदगुदाया। वहीं नवोदित हास्य कलाकार जितेंद्र जैरवाण ने अपनी दमदार प्रस्तुति दी। मंथन ग्रुप ने पिंडर घाटी के लोकनृत्य कुंवार पंडों, मुखौटा नृत्य, नृत्य गढ़ कत्थक की प्रस्तुति दी। नगर पालिका की ओर से बीते मंगलवार को शहर के रामलीला मैदान में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में गढ़ज्योति सांस्कृतिक कला मंच, रस्यांण ग्रुप और मंथन ग्रुप के कलाकारों ने चांचरी, तांदी, झुमैलो आदि लोकनृत्यों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा गोरिल कंडोलिया की स्तुति से हुई। इसके बाद वीर भड़ जीतू बगड़वाल पर आधारित भावपूर्ण नृत्य नाटिका, पहाड़ की नारियों के सौंदर्य आभूषणों के विवरण पर कलाकारों ने प्रस्तुति दी। पहाड़ की नारी के कठिन दिनचर्या को प्रस्तुत करता नृत्य कांधी मा धरली राधा... खैरी की गंज्याली राधा... ने दर्शकों की खूब ताली बटोरी। रस्यांण ग्रुप के आर्केस्ट्रा बैंड ने पहाड़ी संस्कृति पर आधारित शिव स्तुति शिवजी त्रिपुरारी...और सर्ग तारा जुन्याली राता..., नवोदित गायिका मानसी ने सुतरा की दोली..., मेरु बाजू रंगा... और युवा गायक प्रशांत ने सरुली मेरु जिया लगीगै... आदि गीतों पर दर्शक भी जमकर थिरके। कार्यक्रम का उद्घाटन अध्यक्ष व्यापार सभा विनय शर्मा ने किया। इस मौके पर पालिका अध्यक्ष हिमानी नेगी, पूर्व जिपं अध्यक्ष केसर सिंह नेगी, सचिव व्यापार सभा देवेंद्र सिंह रावत, कोषाध्यक्ष दिलवर भंडारी, गणेश खुगशाल गणी आदि मौजूद रहे।

मकानों के ऊपर से गुजर रहे भारी सैन्य विमान, पुनर्वास की मांग

चिन्यालीसौड़ चिन्यालीसौड़ हवाई अड्डे से वायुसेना के भारी विमानों की लगातार लैंडिंग और टेकऑफ ने आसपास की आबादी की चिंता बढ़ा दी है। विशेषकर रनवे के लैंडिंग प्वाइंट से सटे सुलीठांग मोहल्ले के लोग विमानों की बेहद नजदीक से होने वाली आवाजाही के चलते भय के माहौल में रहने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों ने भविष्य में किसी संभावित दुर्घटना की आशंका जताते हुए प्रशासन से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की ठोस योजना बनाने की मांग की है।

हवाई अड्डे के वायुसेना को हस्तांतरित होने के बाद यहां हरक्यूलिस, एएन-32 और सी-295 जैसे भारी सैन्य विमानों की लैंडिंग और टेकऑफ का अभ्यास होता रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि विमान आबादी के बेहद नजदीक से गुजरते हैं। इस दौरान होने वाली तेज आवाज से छोटे बच्चों, बुजुर्गों और हृदय रोगियों को परेशानी होती है। विमानों की उड़ान के समय घरों की छतों पर खड़ा होना तक मुश्किल हो जाता है। लोगों की चिंता इसलिए भी गंभीर है कि हवाई अड्डे के आसपास मेरी विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, माता स्कूल, सरस्वती विद्या मंदिर और बिरजा इंटर कॉलेज सहित कई शिक्षण संस्थान हैं, जहां करीब तीन से चार हजार विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इसके अलावा यूजेवीएनएल कॉलोनी और घनी आबादी भी हवाई पट्टी के नजदीक स्थित है।

स्थानीय निवासी कोमल चौहान, पूर्ण सिंह रावत, मुकेश नेगी, रणवीर पंवार, आदित्य परमार आदि लोगों ने कहा कि सुरक्षा के लिहाज से इस क्षेत्र का तकनीकी आकलन कराया जाना जरूरी है। उन्होंने प्रशासन से प्रभावित भवनों और परिवारों के संबंध में दीर्घकालिक समाधान निकालने की मांग की।

रामलीला : भरत मिलाप के मंचन ने दर्शकों को किया भावुक



जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पौडी जनपद की पट्टी मनियारस्यूं के साकनी बड़ी गांव की दोपहरी की रामलीला मंचन के पांचवें दिन बुधवार को भरत मिलाप, सुपर्णखा का नासिका छेदन, रावण द्वारा सीता हरण तक की लीला का मंचन किया गया। भरत मिलाप के मंचन ने दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। इस दौरान गांव के युवाओं द्वारा नृत्य नाटिका गीत, भजन आदि की भी प्रस्तुतियां दी गई। रामलीला मंचन को देखने के लिए घण्डियाल, कांसखेत, बनेख, देवल, गौरण, सैन, नैथाणा, सकनी छोटी आदि गांवों से भारी मात्रा में दर्शकों भीड़ उमड़ी। साकनी बड़ी के प्रवासियों द्वारा रामलीला मंचन को लेकर रामलीला समिति दिल्ली, रामलीला समिति लुधियाना, रामलीला समिति साकनी बड़ी तीनों ही समितियों द्वारा रामलीला का मंचन का संयुक्त रूप में आयोजन किया जाता हैं। रामलीला मंचन का शुभारंभ में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक मुकेश कोली ने किया। पूर्व विधायक मुकेश कोली ने कहा कि इस प्रकार का रामलीला मंचन प्रवासियों को गांव के एक मंच पर एकत्रित करने का जरिया भी हैं। कहा कि रामलीला मंचन पौराणिक संस्कृति जीवित रखने का माध्यम भी हैं। रामलीला के मंचन के साथ-साथ गांव के विकास पर भी चर्चा स्वाभाविक है। जनप्रतिनिधियों के माध्यम से विकास की बात रखने, सुनने और सुनाने का भी जरिया है। रामलीला समिति के अध्यक्ष सहित समस्त पदाधिकारियों एवं ग्राम पंचायत प्रधान श्रीमती अर्चना देवी ने रामलीला मंचन देखने पहुंचे दर्शकों और अतिथियों का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन हरि सिंह नेगी ने किया।

श्रीराम राज्याभिषेक के साथ रामलीला मंचन संपन्न

पौड़ी : जनपद पौड़ी गढ़वाल की धारी गांव और थापला गांव में आयोजित रामलीला मंचन का श्रीराम के राजतिलक के बाद बुधवार को समापन किया गया। रामलीला मंचन के अंतिम दिन श्रीराम का अयोध्या आगमन, भरत मिलाप, श्रीराम का राज्याभिषेक आदि का मंचन किया गया। धारी गांव से धारीखाल तक राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न, सीता,हनुमान जी की भव्य शोभा यात्रा निकली गई। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

एक नजर

तीन दिवसीय वन गश्त में नहीं मिला अवैध कटान और शिकार का मामला

नौगांव (उत्तरकाशी)। अपर यमुना वन प्रभाग के मुंगरा संती रेंज में वन विभाग की तीन दिवसीय लंबी पैदल गश्त के दौरान जंगल में अवैध कटान, शिकार और अतिक्रमण का कोई मामला सामने नहीं आया है। वहीं जंगल में बांज के बीजों और फलों की अच्छी उपलब्धता और कैल के बेहतर प्राकृतिक पुनरुत्पादन ने वन विभाग को सकारात्मक संकेत दिए हैं।

वन क्षेत्राधिकारी विवेक चौहान के नेतृत्व में तीन दिन पहले रवाना हुई गश्ती टीम जंगल के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर रेंज कार्यालय लौट आई। यहां टीम ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट वन क्षेत्राधिकारी को सौंपी। गश्त के दौरान कर्मचारियों ने दुर्गम वन क्षेत्रों में पैदल भ्रमण किया और रात में जंगल में ही विश्राम कर वन संपदा एवं वन्यजीवों की स्थिति का जायजा लिया। वन क्षेत्राधिकारी विवेक चौहान ने बताया कि गश्त के दौरान संवेदनशील छानियों में रहने वाले स्थानीय लोगों से संवाद कर उन्हें जंगली जानवरों से बचाव के लिए जरूरी सावधानियां बरतने की सलाह दी गई। गश्ती मार्ग के सूक्ष्म निरीक्षण में अवैध पातन, शिकार और अतिक्रमण जैसी कोई गतिविधि नहीं मिली। उन्होंने बताया कि जंगल में बड़ी मात्रा में बांज के बीज और फल पाए गए हैं, जो भालू समेत अन्य वन्यजीवों के लिए सर्दियों में महत्वपूर्ण प्राकृतिक आहार साबित होंगे। साथ ही गश्ती क्षेत्र में कैल का प्राकृतिक पुनरुत्पादन भी अच्छा पाया गया है, जो वन क्षेत्र के पारिस्थितिकीय स्वास्थ्य के लिहाज से उत्साहजनक है। वन विभाग प्रतिवर्ष जंगलों की सुरक्षा, वन संपदा की स्थिति और वन्यजीवों के रहवास का बारीकी से आकलन करने के लिए लंबी दूरी की गश्त आयोजित करता है। चौहान ने बताया कि गश्त की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी।

मोरी और बड़कोट अस्पतालों में जल्द शुरू होगी अल्ट्रासाउंड की सुविधा

उत्तरकाशी। यमुनाघाटी के दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग ने पहल तेज कर दी है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोरी और बड़कोट में जल्द ही अल्ट्रासाउंड जांच की सुविधा शुरू होगी। इसके लिए जिला योजना के तहत धनराशि स्वीकृत हो चुकी है और मशीनों की खरीद की प्रक्रिया गतिमान है। दोनों अस्पतालों में सुविधा शुरू होने से खासकर गर्भवती महिलाओं को राहत मिलेगी।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्याम विजय ने बताया कि जनपद के चिकित्सालयों में साज-सज्जा और आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की खरीद के लिए 90 लाख रुपये स्वीकृत हुए हैं। इसी धनराशि से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोरी और बड़कोट के लिए अल्ट्रासाउंड मशीनें खरीदी जाएंगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में यमुनाघाटी के उप जिला चिकित्सालय पुरोला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगांव में अल्ट्रासाउंड जांच की सुविधा उपलब्ध है।

89 साधु-संतों को बांटी आवश्यक सामग्री

बड़कोट। हिमालय की दुर्गम वादियों में साधनारत साधु-संतों को शीतकाल में राहत पहुंचाने के उद्देश्य से मातेश्वरी अन्न क्षेत्र गंगोत्री धाम की ओर से सेवा पहल की गई। बुधवार को यमुनाघाटी के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल त्रिवेणी संगम गंगानी में भंडारे का आयोजन कर क्षेत्र में 89 साधु-संतों को उनकी जरूरत की सामग्री बांटी गई।

आनंद धाम तपोवन, ऋषिकेश के आयोजक रमेश मुनि महाराज ने कहा कि हिमालयी क्षेत्रों में साधनारत संतों को कड़ाके की ठंड के दौरान कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उनकी दैनिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सामग्री बांटी गई है। उन्होंने बताया कि यमुनाघाटी में संतों की सेवा का यह दूसरा आयोजन है। रमेश मुनि महाराज लंबे समय से संत सेवा के कार्यों में जुटे हैं।

पौड़ी शरदोत्सव : वार्ड-1 ने जीता फुटबॉल प्रतियोगिता का खिताब

रंगोली, वाद-विवाद, फैंसी ड्रेस और रस्साकशी प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने दिखाया दमखम

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : नगर पालिका परिषद पौड़ी की ओर से आयोजित शरदोत्सव-2026 के तहत बुधवार को शहर में विभिन्न खेल एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। रंगोली, रस्साकशी, वाद-विवाद और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने उत्साह पूर्वक हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं, कंडोलिया मैदान में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में वार्ड संख्या-01 की टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए वार्ड संख्या-11 को 3-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

फुटबॉल का फाइनल मुकाबला वार्ड संख्या-01 और वार्ड संख्या-11 के बीच खेला गया। मुकाबले का शुभारंभ पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जसपाल सिंह नेगी ने फुटबॉल को किक मारकर किया। रोमांचक मुकाबले में वार्ड-01 की टीम ने बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए 3-1 से जीत दर्ज की। शरदोत्सव के अंतर्गत डीएवी इंटर कॉलेज पौड़ी में रस्साकशी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें जूनियर एवं सीनियर वर्ग के बालक-बालिकाओं के साथ ही ओपन महिला एवं पुरुष वर्ग के प्रतिभागियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के जूनियर बालक वर्ग में सेंट थॉमस स्कूल पौड़ी ने प्रथम, बीआरएमएस स्कूल पौड़ी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर बालिका वर्ग में बीआरएमएस स्कूल पौड़ी विजेता और हिल्स इंटरनेशनल स्कूल उपविजेता रहा। सीनियर बालक वर्ग में सेंट थॉमस स्कूल पौड़ी ने केंद्रीय



विद्यालय पौड़ी को पराजित कर जीत दर्ज की। वहीं, सीनियर बालिका वर्ग में बीआरएमएस स्कूल पौड़ी ने हिल्स इंटरनेशनल स्कूल को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। ओपन पुरुष वर्ग में बादशाह-11 की टीम विजेता तथा नरदेव-11 की टीम उपविजेता रही। ओपन महिला वर्ग में पराज इंस्टीट्यूट पौड़ी ने प्रथम और वार्ड संख्या-03 की टीम ने द्वितीय स्थान हासिल किया। शरदोत्सव के माध्यम से विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों को खेल, रचनात्मकता और बौद्धिक गतिविधियों में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच मिल रहा है। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष हिमानी नेगी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष केसर सिंह नेगी, अधिशासी अधिकारी संजय कुमार सहित सभासद एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर स्वस्थ जीवन जीने का दिया संदेश

गढ़वाल विश्वविद्यालय में उत्साह पूर्वक मनाया गया प्राकृतिक चिकित्सा दिवस

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय श्रीनगर के प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विभाग द्वारा बुधवार को प्राकृतिक चिकित्सा दिवस उत्साह पूर्वक मनाया गया। इस वर्ष दिवस की थीम प्राकृतिक चिकित्सा, स्वस्थ भारत रखी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ ही समाज को स्वस्थ एवं प्राकृतिक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्री प्रकाश सिंह के संरक्षण एवं शिक्षा संकाय की अधिष्ठाता प्रो. सुनीता गोडियाल के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में एम्स ऋषिकेश के आयुष विभाग में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की मेडिकल ऑफिसर डॉ. श्वेता मिश्रा, ऋषिकेश गवर्नमेंट आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज से डॉ. मुदित थपलियाल उपस्थित रहे। विशेषज्ञों ने प्राकृतिक चिकित्सा के विभिन्न आयामों, योग, संतुलित आहार एवं स्वस्थ दिनचर्या के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्राकृतिक जीवन शैली को अपनाकर व्यक्ति अपने शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को



बेहतर बना सकता है। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. अनुजा रावत ने प्राकृतिक चिकित्सा की उपयोगिता और वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता पर विचार रखे। कार्यक्रम के सह-संयोजक डॉ. घनश्याम सिंह ठाकुर एवं डॉ. चिंताहरण बेताल रहे। आयोजन सचिव के रूप में डॉ. रजनी नौटियाल, डॉ. किरण वर्मा एवं डॉ. विनोद नौटियाल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों एवं उपस्थित लोगों को प्राकृतिक चिकित्सा, योग और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करते हुए प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर स्वस्थ जीवन जीने का संदेश दिया गया।

बदरीनाथ में तपस्या के लिए 25 साधुओं ने किया आवेदन

ज्योतिर्मठ। भू-बैकुंठ धाम बदरीनाथ मंदिर के कपाट 16 नवंबर को शीतकाल के लिए बंद होने के बाद अब धाम में तपस्या करने के इच्छुक साधु-संतों ने प्रशासन से अनुमति मांगी है। इस वर्ष अब तक 25 साधुओं ने धाम में रहने के लिए आवेदन किया है। पुलिस सत्यापन के बाद ही उन्हें बदरीनाथ में निवास की अनुमति दी जाएगी। कपाट बंद होने के बाद बदरीनाथ धाम में प्रशासन की अनुमति के बिना किसी भी व्यक्ति के रहने पर प्रतिबंध है। शीतकाल में यहां सुरक्षा की दृष्टि से आईटीबीपी के जवान और बीकेटीसी के कर्मचारी ही मौजूद रहते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शीतकाल में मंदिर के कपाट बंद होने के बाद भगवान बदरी विशाल की पूजा-अर्चना सहित अन्य दायित्वों पर देवताओं का आधिपत्य रहता है। उप जिलाधिकारी चंद्रशेखर वशिष्ठ ने बताया कि तपस्या करने के लिए अब तक 25 साधुओं के आवेदन मिले हैं। पुलिस से सत्यापन कराने के बाद ही उन्हें धाम में रहने की अनुमति दी जाएगी।

वार्षिक क्रीड़ा समारोह में पवन और शालिनी बनें ओवरऑल चैंपियन

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : भक्त दर्शन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जयहरीखाल में वार्षिक क्रीड़ा समारोह का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर छात्र वर्ग में पवन कुमार और छात्रा वर्ग में शालिनी को ओवरऑल चैंपियन घोषित किया गया।समारोह में लैंसडौन विधायक के प्रतिनिधि के रूप में मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख रणवीर सजवाण, विशिष्ट अतिथि पूर्व उप प्रमुख जयशंकर ढौंडियाल एवं दिगम्बर सिंह रावत उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. एल.आर. राजवंशी ने की। क्रीड़ा प्रभारी डॉ. अजय रावत के संयोजन में आयोजित समारोह का संचालन डॉ. उमेश ध्यानी ने किया। प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर अपनी खेल प्रतिभा और शारीरिक दक्षता का प्रदर्शन किया। 100 मीटर दौड़ छात्र वर्ग में पवन कुमार और छात्रा वर्ग में शालिनी प्रथम रहे, 200 मीटर दौड़ में मोहित और शालिनी ने अपने-अपने वर्ग में बाजी मारी। 800 मीटर



दौड़ में आदित्य और किरण पहले स्थान पर रहे। लंबी कूद में सोनिया और पवन, जबकि ऊंची कूद में आदित्य और किरण ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। गोला फेंक में पवन और शालिनी, चक्का फेंक में आदित्य और किरण अपने-अपने वर्ग में अव्वल रहे। मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख रणवीर सजवाण ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक विकास के साथ उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करते हैं। पढ़ाई के साथ खेलों में भागीदारी भी जरूरी है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा पहचानने और आगे बढ़ने का अवसर देते हैं। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए अन्य विद्यार्थियों को भी खेल गतिविधियों में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. एल.आर. राजवंशी ने कहा कि खेल शिक्षा का अभिन्न अंग हैं। खेलों में सहभागिता से विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ खेलों में भी सक्रिय भागीदारी करनी चाहिए। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

खेल प्रतिभा को मंच प्रदान करना हमारा उद्देश्य

क्रीड़ा प्रभारी डॉ. अजय रावत ने कहा कि वार्षिक क्रीड़ा समारोह का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए उचित मंच प्रदान करना तथा उनमें खेल भावना, अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता विकसित करना है। उन्होंने कहा कि खेल केवल जीत-हार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये जीवन में संघर्ष करने, सामूहिकता और लक्ष्य प्राप्ति की प्रेरणा भी देते हैं। उन्होंने प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

लंदन में भिड़े बांग्लादेशी: शेख हसीना समर्थकों और एनसीपी कार्यकर्ताओं में हिंसक झड़प, कई गंभीर घायल

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की राजनीतिक पार्टियों की लड़ाई अब देश की सरहदों को भी पार कर गई है। दरअसल सोमवार को बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना और एनसीपी नेता नाहिद इस्लाम के समर्थकों में लंदन में हिंसक झड़प हो गई। इस झड़प में कई लोग घायल हुए हैं और चार घायलों की हालत गंभीर बताई गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, नाहिद इस्लाम इन दिनों लंदन के दौरे पर हैं, जहां वे विभिन्न कार्यक्रमों में पार्टी समर्थकों को संबोधित करेंगे। सोमवार शाम को लंदन के मेफेयर वेन्यू में भी नाहिद इस्लाम की पार्टी का कार्यक्रम था। एनसीपी ने फेसबुक पर साझा एक पोस्ट में बताया कि शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के समर्थक भी वेन्यू के बाहर इकट्ठा हो गए और एनसीपी के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। एनसीपी का आरोप है कि अवामी लीग के समर्थकों ने एनसीपी समर्थकों पर हमला किया, जिसके बाद दोनों तरफ से हिंसक झड़प शुरू हो गई।

घंटों टीवी देखते हैं तो सावधान! किडनी को पहुंच सकता बड़ा नुकसान, डायबिटीज मरीजों के लिए खतरा ज्यादा

लंदन, एजेंसी। खाली समय में टीवी देखना भले ही मनोरंजन का आसान तरीका हो, लेकिन घंटों तक स्क्रीन के सामने बैठे रहने की आदत आपकी किडनी की सेहत पर भारी पड़ सकती है। क्योंकि लंबे समय तक टीवी देखने की आदत सिर्फ आंखों और वजन पर ही असर नहीं डालती, बल्कि इसका संबंध किडनी की सेहत से भी हो सकता है। मेडिकल जर्नल साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि जो लोग रोजाना अधिक समय टीवी देखने में बिताते हैं, उनमें किडनी की कार्यक्षमता तेजी से घटने का जोखिम अधिक हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया, जापान, ब्रिटेन समेत कई देशों के वैज्ञानिकों ने इस अध्ययन में लंबे समय तक टीवी देखने और किडनी की सेहत के बीच संबंधों का विश्लेषण किया। करीब 12 वर्षों तक प्रतिभागियों की किडनी की कार्यक्षमता में होने वाले बदलावों पर नजर रखी गई। इसमें अधिक समय तक टीवी देखने वाले लोगों में किडनी की कार्यक्षमता में गिरावट का संबंध सामने आया। अध्ययन में सबसे अहम बात यह सामने आई कि टाइप-2 डायबिटीज से पीड़ित लोगों में लंबे समय तक टीवी देखने और किडनी की कार्यक्षमता घटने के बीच संबंध अधिक मजबूत पाया गया। दरअसल, डायबिटीज का असर केवल ब्लड शुगर तक सीमित नहीं रहता। लंबे समय तक रक्त में शुगर का स्तर बढ़ा रहने से किडनी की छोटी रक्त वाहिकाएं क्षतिग्रस्त हो सकती हैं। इससे किडनी की खून को छानने और शरीर से अपशिष्ट पदार्थ बाहर निकालने की क्षमता धीरे-धीरे प्रभावित होने लगती है। ऐसे में डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए शारीरिक गतिविधि बनाए रखना और लंबे समय तक लगातार बैठे रहने से बचना बेहद जरूरी है। रिसर्च के मुताबिक, लंबे समय तक टीवी देखने का मतलब अक्सर लगातार बैठे रहना है। शारीरिक गतिविधि कम होने से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

देश में विमानों की भारी कमी, 1000 और नए विमान खरीदने की तैयारी में भारत: पीयूष गोयल

काहिरा , एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत में नागरिक विमानों की भारी कमी है और हवाई यातायात की मांग पूरी करने के लिए 1,000 और विमानों का ऑर्डर देने की तैयारी है। गोयल ने यह भी कहा कि विमानों की जल्द आपूर्ति के लिए स्थापित विमान निर्माताओं से लगातार संपर्क किया जा रहा है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, हमें हवाई संपर्क बढ़ाने की जरूरत है। जैसे-जैसे हमें और विमान मिलेंगे, हमें विश्वास है कि हम मिस्र के लिए और अधिक उड़ानें शुरू कर सकेंगे। गोयल भारत और मिस्र के बीच व्यापार एवं निवेश बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर यहां आए हैं। फिलहाल इजिप्टएयर भारत और मिस्र के बीच सीधी उड़ानों का संचालन करती है। गोयल के मुताबिक, भारत फिलहाल विमानों की भारी कमी का सामना कर रहा है। गोयल ने कहा, हम 1,200 से अधिक विमानों का ऑर्डर दे चुके हैं और 1,000 और विमानों का ऑर्डर देने को तैयार हैं। हमारी जरूरतें पूरी करने के लिए हमें 2,000 से अधिक विमानों की आवश्यकता है। इसलिए हम जल्द आपूर्ति के लिए स्थापित विमान निर्माताओं से संपर्क कर रहे हैं। इस बीच, गोयल ने सोमवार को मिस्र के प्रधानमंत्री मुस्तफा मदबूली से मुलाकात की।

विटामिन बी12 में बड़ी ताकत... लाइलाज बीमारी से मिल सकती राहत

लंदन, एजेंसी। अक्सर थकान या कमजोरी दूर करने के लिए लिया जाने वाला साधारण सा विटामिन बी12 अब एक बेहद गंभीर और दुर्लभ बीमारी के इलाज में उम्मीद की नई किरण बनकर उभरा है। वैज्ञानिकों की एक ताजा रिसर्च में सामने आया है कि यह विटामिन वेरहेइज सिंड्रोम जैसी लाइलाज मानी जाने वाली आनुवंशिक बीमारी से होने वाली शारीरिक कमियों को काफी हद तक ठीक कर सकता है।

साइंसडेली वेबसाइट पर प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, वैज्ञानिकों ने पाया है कि विटामिन बी12 ने वेरहेइज सिंड्रोम से जुड़े आनुवंशिक उत्परिवर्तन वाले कृमियों में विकासात्मक असामान्यताओं को काफी हद तक ठीक कर दिया है। वेरहेइज सिंड्रोम एक दुर्लभ विकार है जो विकास संबंधी समस्याओं और विकास में देरी का कारण बनता है। मानव रोगियों में भी इसी तरह के चयापचय परिवर्तन देखे गए, जिससे यह संभावना बढ़ गई है कि यह सामान्य विटामिन दुर्लभ आनुवंशिक रोगों के लिए नए उपचारों को प्रेरित कर सकता है।

विटामिन बी12 से जुड़ी एक आश्चर्यजनक खोज दुर्लभ आनुवंशिक विकारों को समझने और संभावित रूप से उनका इलाज करने के लिए नए रास्ते खोल सकती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि यह विटामिन वेरहेइज सिंड्रोम से जुड़े आनुवंशिक उत्परिवर्तन वाले छोटे



कृमियों में विकासात्मक समस्याओं को ठीक कर सकता है। वेरहेइज सिंड्रोम एक दुर्लभ मानव स्थिति है जो विकास में देरी, बाधित वृद्धि और बौनेपन का कारण बनती है। वेबसाइट के अनुसार, ये निष्कर्ष आरएनए स्प्लिसिंग नामक एक कोशिकीय प्रक्रिया पर केंद्रित हैं, जो कोशिकाओं द्वारा प्रोटीन उत्पादन के लिए उपयोग किए जाने वाले आनुवंशिक निर्देशों को तैयार करने में मदद करती है। स्प्लिसिंग के दौरान, मैसेंजर आरएनए के अनावश्यक हिस्सों को हटा दिया जाता है, और शेष भागों को सही क्रम में एक साथ जोड़ा जाता है। जब यह प्रक्रिया गलत हो जाती है, तो यह आवश्यक कोशिकीय कार्यों को बाधित कर सकती है और गंभीर विकासात्मक विकारों में योगदान कर सकती है। स्प्लिसिंग के लिए जिम्मेदार जीनों में उत्परिवर्तन से वेरहेइज सिंड्रोम जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। इन आनुवंशिक परिवर्तनों के प्रभावों को बेहतर ढंग से समझने के लिए, वैज्ञानिकों ने एक प्रयोगशाला मॉडल में यह अध्ययन किया कि एक संबंधित उत्परिवर्तन वृद्धि और चयापचय को कैसे प्रभावित करता है। विटामिन बी12 कृमियों में विकासात्मक दोषों को उलट देता है यह खोज सी. एलिगेंस नामक एक छोटे गोलकृमि पर किए गए प्रयोगों से सामने आई, जिसका उपयोग आमतौर पर जैविक अनुसंधान में किया जाता है। शोधकर्ता शुरू में जीवनकाल को प्रभावित करने वाले अज्ञात जीनों की खोज कर रहे थे, जब उन्होंने आरएनए स्प्लिसिंग में शामिल एक जीन में उत्परिवर्तन की जांच शुरू की। यही जीन मनुष्यों में वेरहेइज सिंड्रोम से जुड़ा है। उत्परिवर्तन वाले कृमियों में मानव विकार के महत्वपूर्ण लक्षणों से मिलती-जुलती समस्याएं विकसित हुईं। उनकी वृद्धि काफी धीमी हो गई और वे सामान्य से छोटे रह गए। यह पता लगाने के लिए कि ऐसा क्यों हुआ, वैज्ञानिकों ने आनुवंशिक जांच की और कृमियों के चयापचय का विश्लेषण किया। उन्होंने पाया कि उत्परिवर्तन ने विशिष्ट चयापचय मार्गों को बाधित कर दिया जो विटामिन बी12 पर निर्भर करते हैं और स्वस्थ विकास और सामान्य कोशिकीय गतिविधि के लिए आवश्यक हैं। इसके बाद शोधकर्ताओं ने परीक्षण किया कि क्या अतिरिक्त विटामिन बी12 प्रदान करने से इन परिवर्तनों को प्रतिकारा जा सकता है। वेबसाइट के अनुसार, इस इलाज से प्रभावित मेटाबॉलिक प्रक्रियाएं सामान्य हो गईं और म्यूटेशन से जुड़ी विकासात्मक असामान्यताएं भी ठीक हो गईं। इस अध्ययन के पहले लेखक जोनाथन कोल्शबैक कहते हैं, हमें यह देखकर हैरानी हुई कि आरएनए प्रोसेसिंग की एक बुनियादी प्रक्रिया में बदलाव का, विटामिन बी12 पर निर्भर मेटाबॉलिज्म पर इतना सटीक असर पड़ा। वेबसाइट के अनुसार, जोनाथन कोल्शबैक ने आगे कहा, सबसे रोमांचक बात यह थी कि हम विटामिन बी12 का इस्तेमाल करके, वर्म मॉडल (कीड़ों के मॉडल) में इस बदलाव के नतीजों को काफी हद तक ठीक करने में कामयाब रहे। यह जानने के लिए कि क्या उनके निष्कर्ष इंसानों पर भी लागू हो सकते हैं, शोधकर्ताओं ने मानव कोशिकाओं से जुड़े सार्वजनिक रूप से उपलब्ध डेटासेट की जांच की। उन्होंने कोलोन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल के न्यूरो-पीडियाट्रिशियन होर्मोस डफसारी के साथ मिलकर, वेरहेइज सिंड्रोम से पीड़ित मरीजों के रक्त के नमूने भी एकत्र किए।

यूक्रेन शांति वार्ता: बातचीत में प्रगति पर क्या बोले ट्रंप के दामाद कुशनर, भविष्य के तीन आधारों में क्या?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद और यूक्रेन-रूस जंग के बीच शांति बहाली के लिए नियुक्त विशेष दूत-जेरेड कुशनर ने कहा है कि उनका देश रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने की दिशा में प्रगति कर रहा है। उन्होंने यूक्रेन के भविष्य के लिए तीन प्रमुख आधारों का जिक्र कर इसे वार्ता और शांति बहाली की रूपरेखा बताया। तीन बिंदुओं में विश्वसनीय सुरक्षा गारंटी, यूरोपीय संघ (ईयू) की सदस्यता का मार्ग और युद्ध खत्म होने के बाद व्यापक आर्थिक समृद्धि योजना शामिल है।

सोमवार को कुशनर ने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्थायी शांति बहाल करने का दृढ़ संकल्प लिया है। बकौल कुशनर, अमेरिका युद्ध और इससे होने वाली मानवीय पीड़ा को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। गौरतलब है कि कुशनर ने अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के साथ रूसी खेमे से बातचीत के बाद ये बयान दिया। रूस की तरफ से अमेरिका से बात करने वाले लोगों में राष्ट्रपति पुतिन के सहायक यूरी उषाकोव शामिल हैं। दोनों पक्षों के बीच शांति प्रक्रिया में प्रगति पर चर्चा हुई।

शांति वार्ता के मुख्य आधार क्या हैं : कुशनर ने यूक्रेन के लिए तीन आवश्यक आधार बताए हैं। पहला, भविष्य के आक्रमण से यूक्रेन की रक्षा के लिए मजबूत और विश्वसनीय सुरक्षा गारंटी। दूसरा, यूरोप में यूक्रेन के दीर्घकालिक भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए यूरोपीय संघ की सदस्यता का मार्ग। तीसरा, यूरोपीय साझेदारों, विश्व बैंक और अन्य के साथ विकसित एक व्यापक युद्धोपरांत समृद्धि योजना। यह योजना यूक्रेन की वित्तीय स्थिरता, पुनर्निर्माण, निवेश और दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि का समर्थन करेगी। कुशनर ने जोर दिया कि कोई भी अंतिम शांति समझौता रूस और यूक्रेन दोनों की सहमति से ही होगा।

कूटनीतिक प्रयासों में कौन शामिल हैं : कुशनर ने यूक्रेन और यूरोपीय साझेदारों के साथ एक उपयोगी बातचीत भी की। इसमें जर्मनी, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम, पोलैंड और इटली के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शामिल थे। यूरोपीय संघ (ईयू) और नाटो के प्रतिनिधि भी इस बातचीत में मौजूद थे। उन्होंने यूरोप और रूस के बीच सीधी भागीदारी को सुविधाजनक बनाने पर चर्चा की। उन्होंने यह भी बताया कि नाटो यूरोपीय सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण आधार बना रहेगा। दूसरी तरफ यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को कहा कि यूक्रेनी, अमेरिकी और यूरोपीय वार्ता दलों के बीच एक और दौर की चर्चा हुई है। युद्ध के सम्मानजनक अंत और यूक्रेन के लिए गारंटीशुदा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राजनयिक प्रयास सक्रिय रूप से जारी हैं।

अमेरिका के प्रमुख बैंकों में आई भारी तकनीकी खराबी: ठप हुई ऑनलाइन सेवाएं, चेक डिपॉजिट और पेमेंट अटके

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब कई बड़े बैंकों की ऑनलाइन और डिजिटल सेवाएं अचानक ठप हो गईं। आउटेज ट्रैकिंग वेबसाइट डाउनडिटेक्टर डॉट कॉम के अनुसार बैंक ऑफ अमेरिका, जेपीमॉर्गन चेस, यूएस बैंक, कैपिटल वन, ट्रुइस्ट और वेल्स फार्गो जैसे प्रमुख बैंकों के ग्राहकों ने अपने खातों तक पहुंच न मिलने और लेन-देन अटकने की व्यापक शिकायतें दर्ज कराईं।

चेस बैंक के 4,800 से ज्यादा ग्राहकों ने की शिकायत, सिस्टम डाउन का मिला संदेश : सोमवार सुबह से शुरू हुई यह समस्या दोपहर तक और गंभीर हो गई। पूर्वी समय के अनुसार दोपहर 2 बजे तक अकेले जेपीमॉर्गन चेस बैंक के 4,800 से अधिक उपयोगकर्ताओं ने सेवाएं बाधित होने की रिपोर्ट दर्ज कराई, जो सभी बैंकों में सबसे अधिक थी। चेस बैंक के कई ग्राहकों को मोबाइल और ऑनलाइन पोर्टल पर संदेश मिला कि कुछ सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं, हम इन्हें ठीक कर रहे हैं, कृपया बाद में प्रयास करें। डलास (टेक्सास) में एक ग्राहक जब शाखा में चेक जमा करने गया, तो बैंक कर्मचारी ने बिना कोई विस्तृत विवरण दिए केवल इतना कहा कि सिस्टम डाउन है।

साइबर हमला नहीं, केवल तकनीकी गड़बड़ी: चेस और यूएस बैंक का स्पष्टीकरण : बैंकिंग सेवाओं के अचानक ठप होने से साइबर हमले की आशंका जताई जा रही थी, लेकिन चेस बैंक के प्रवक्ता ने सोमवार को स्पष्ट किया कि यह समस्या किसी साइबर हमले के कारण नहीं बल्कि एक तकनीकी बग के कारण आई है। प्रवक्ता ने कहा कि कुछ लेन-देन पूरा होने में सामान्य से अधिक समय लग रहा है, लेकिन ग्राहकों की अपने खातों और फंड तक पहुंच बनी हुई है। वहीं, यूएस बैंक के प्रवक्ता ने भी कहा कि उनके अपने सिस्टम सीधे तौर पर प्रभावित नहीं हुए हैं, लेकिन अन्य वित्तीय संस्थानों की प्रणाली में आई खराबी के कारण जेल पेमेंट भेजने या प्राप्त करने में देरी हो सकती है। डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म जेल का इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों ने भी सेवाएं ठप होने की शिकायत की।

वॉशिंगटन में ट्रंप के अफसरों पर डर्टी बम हमले की साजिश?: अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का दावा; व्हाइट हाउस सतर्क

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की खुफिया एजेंसियों को नई जानकारी मिली है, जिसके मुताबिक ईरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को निशाना बनाने के लिए वॉशिंगटन डीसी में डर्टी बम या रासायनिक हथियार से हमले के विकल्पों पर विचार कर रहा है। अमेरिकी मीडिया सीएनएन की रिपोर्ट में सात अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से यह दावा किया गया है। इस जानकारी के सामने आने के बाद अमेरिकी अधिकारियों ने पिछले सप्ताह से संभावित हमले से निपटने के लिए आकस्मिक तैयारियां शुरू कर दी हैं। हालांकि, अमेरिकी व्हाइट हाउस ने साफ किया है कि फिलहाल देश के भीतर किसी विश्वसनीय खतरे की जानकारी नहीं है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता लॉरेन बिस ने कहा कि प्रशासन सभी संभावित खतरों पर



लगातार नजर रख रहा है।

डर्टी बम हमले की आशंका, अमेरिकी एजेंसियां सतर्क : सीएनएन के मुताबिक, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को मिली जानकारी में ईरान की ओर से संभावित ठिकानों और निशाने पर रखे जाने वाले लोगों का जिक्र है। इस मामले को लेकर हाल के दिनों में कई उच्चस्तरीय बैठकें भी हुई हैं। इनमें चर्चा की गई कि अगर ईरान अमेरिका के भीतर किसी असामान्य हथियार से हमला करता है तो उससे कैसे निपटा जाएगा।

एक अमेरिकी अधिकारी ने इन तैयारियों को एहतियाती कदम बताया। वहीं, एक अन्य अधिकारी के मुताबिक, खुफिया एजेंसियों के बीच इस बात पर अभी भी चर्चा जारी है कि ईरान के पास ऐसी कार्रवाई करने की क्षमता और इरादा है या नहीं।

क्या होता है डर्टी बम, परमाणु बम से कितना अलग : डर्टी बम ऐसा विस्फोटक उपकरण होता है, जिसमें पारंपरिक विस्फोटक के साथ रेडियोधर्मी पदार्थ का इस्तेमाल किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य बड़े पैमाने पर परमाणु विस्फोट करना नहीं, बल्कि विस्फोट के जरिए रेडियोधर्मी पदार्थ फैलाकर दहशत और प्रदूषण पैदा करना होता है। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि परमाणु हथियार बनाने की तुलना में डर्टी बम तैयार करना आसान हो सकता है। सीएनएन से बातचीत में एक अधिकारी ने कहा कि इस तरह का कोई भी हथियार आतंक फैलाने का माध्यम है, न कि सटीक हमले का। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि ईरान से जुड़े संभावित खतरों के कारण अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट को एहतियात के तौर पर सैन्य आवास में स्थानांतरित कर दिया है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियां पहले भी ईरान की ओर से मौजूदा और पूर्व अमेरिकी अधिकारियों को निशाना बनाने की कथित कोशिशों की जांच करती रही हैं। ईरान ने रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल से जुड़े आरोपों को सिरे से खारिज किया है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के मिशन के प्रवक्ता ने कहा कि उनका देश किसी भी परिस्थिति में रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल को पूरी तरह अवैध मानता है। उन्होंने इन आरोपों को झूठा और मनगढ़ंत बताया।

तीन देशों में गोपनीय अभियान: इस्राइल ने 40 साल तक खोजा अपना पायलट, ईरानी जनरल का अपहरण कर की हत्या

इस्राइल, एजेंसी। इस्राइल ने करीब चार दशक पहले लापता हुए अपने एक पायलट को खोजने के लिए लेबनान, सीरिया और ईरान तक खुफिया अभियानों का जाल फैलाया था। इस मिशन में ईरान के दो सैन्य अधिकारियों का अपहरण किया गया। इनमें से एक को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया, जबकि दूसरे की हत्या कर शव समुद्र में फेंकने का दावा किया गया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इतने खतरनाक अभियानों के बावजूद इस्राइल अपने पायलट का पता नहीं लगा सका। अब इन गुप्त कार्रवाइयों से जुड़े नए खुलासों ने पूरे मामले को फिर चर्चा में ला दिया है। यह पूरा अभियान इस्राइली वायुसेना के पायलट रॉन अराद की तलाश से



जुड़ा था। वह 16 अक्टूबर 1986 को दक्षिणी लेबनान के ऊपर उड़ान भरते समय विमान में धमाका होने के बाद पैराशूट से नीचे उतरे थे। उस समय उनकी उम्र 28 साल थी। इसके बाद लेबनान के शिया मिलिशिया संगठन अमल ने उन्हें पकड़ लिया। शुरुआत में संगठन ने उनकी रिहाई के बदले करोड़ों डॉलर और कैदियों को छोड़ने की मांग की थी, लेकिन बाद में उनका कोई पता नहीं चला। ईरान लेबनान के शिया संगठनों का बड़ा समर्थक था, इसलिए इस्राइल को शक था कि अराद को ईरान ले जाया गया है। सितंबर 2021 में इस्राइली खुफिया अधिकारियों ने सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरानी कमांडर जनरल अब्दुल्ला साबेरी को निशाना बनाया। वह राजनयिक इलाके में सुबह की सैर पर निकले थे। इसी दौरान पहले से घात लगाकर बैठे एजेंटों ने उन्हें दबोच लिया और बेहोश करके फ्रिज के एक बड़े डिब्बे में बंद कर दिया। इसके बाद उन्हें वहां से उठा लिया गया। जनरल साबेरी ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के अनुभवी अधिकारी थे। इस्राइली एजेंट उनसे केवल रॉन अराद के बारे में जानकारी हासिल करना चाहते थे। लंबी पूछताछ और प्रताड़ना के बाद उन्हें दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग की एक सड़क पर छोड़ दिया गया। ईरानी जनरल अलीरेजा असगरी दिसंबर 2006 में तुर्किये के इस्तांबुल स्थित एक होटल से अचानक लापता हो गए थे। करीब दो दशक तक उनकी गुमशुदगी एक रहस्य बनी रही। अब सामने आए दावों के मुताबिक, मोसाद के एजेंटों ने रॉन अराद के बारे में जानकारी जुटाने के लिए उनका अपहरण किया था। उन्हें एक नाव पर ले जाकर कई हफ्तों तक पूछताछ की गई। जब उनसे अराद के बारे में कोई उपयोगी जानकारी नहीं मिली तो उनकी हत्या कर दी गई।

एनवीडिया: जेनसन हुआंग की कंपनी में बतौर सीईओ वापसी मुश्किल, रिपोर्ट में दावा- बोर्ड का ऐसा कोई विचार नहीं

वाशिंगटन , एजेंसी। ऐसा दावा किया जा रहा था कि जेनसन हुआंग की एनवीडिया के सीईओ पद पर वापसी हो सकती है और इसके लिए कई तकनीकी दिग्गज समर्थन जुटा रहे हैं। हालांकि अब एक रिपोर्ट में इन दावों को खारिज कर दिया गया है और कहा गया है कि बोर्ड जेनसन हुआंग की सीईओ के तौर पर वापसी को लेकर विचार नहीं कर रहा है।

जेनसन हुआंग की वापसी का किया गया था दावा : फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि एनवीडियो का नेतृत्व करने के लिए जेनसेन हुआंग की सीईओ पद पर वापसी हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया कि कई तकनीकी दिग्गज हुआंग की वापसी के लिए समर्थन जुटा रहे हैं। हुआंग कंपनी में वापसी के लिए अपने भरोसेमंद लोगों से बात कर रहे हैं। वहीं एनवीडिया का बोर्ड उनके मामले की जांच कर रहा है। हुआंग के एक करीबी ने फाइनेंशियल टाइम्स को बताया कि उनकी बहाली के लिए लॉबिंग करने की तैयारी है और इसके लिए एक नेटवर्क बनाया जा रहा है, जिसमें व्हाइट हाउस से भी मदद मांगी गई है। जो टेक दिग्गज जेनसन हुआंग को पसंद करते हैं, वे इस कैंपेन का समर्थन कर रहे हैं। दावा किया गया कि कई कर्मचारियों ने भी हुआंग की वापसी का समर्थन किया और एक ओपन लैटर पर अपने साइन किए।

अमेरिकी सरकार में ही इसे लेकर विरोधाभास : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एनवीडिया सीईओ के पद पर हुआंग की वापसी



के समर्थन में है। सोमवार को मनीला में 49वें आसियान सम्मेलन में शामिल होने के लिए रवाना होने से पहले रिपोर्टर्स से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि हुआंग की सीईओ पद पर वापसी से उन्हें कोई दिक्कत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि एनवीडिया के सह-संस्थापक ने सबक सीख लिया है। हालांकि ट्रंप के ही वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने अलग राय जाहिर की। उन्होंने कहा कि एनवीडिया को बदलाव की जरूरत है और कंपनी को एक बाहरी एग्जीक्यूटिव चाहिए। बेसेंट ने ये भी सवाल उठाया कि क्या हुआंग ने चीन में चिप्स की कथित तस्करी की तरफ से अपनी आंखें मूंदी हुईं थी?

चीन की कथित जासूस एलिस हुआंग के साथ रिश्तों के चलते जेनसन हुआंग ने 33 साल एनवीडिया के सीईओ पद पर रहने के बाद बीती 12 नवंबर को पद छोड़ दिया था। हुआंग के विवाहेतर संबंधों की जांच चल रही है। आरोप है कि हुआंग ने प्रतिबंधित एआई चिप्स बीजिंग भेजे थे। जेनसन हुआंग के एनवीडिया हेल्थकेयर की वाइस प्रेसीडेंट किम्बर्ली पॉवेल के साथ भी कथित तौर पर रिश्ते थे।

बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण की बढ़ी मुश्किलें: चटगांव से ढाका जेल शिफ्ट

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण ब्रह्मचारी को चटगांव सेंट्रल जेल से ढाका सेंट्रल जेल स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्हें सोमवार सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच चटगांव से ढाका ले जाया गया। इस अचानक हुए स्थानांतरण को लेकर उनके वकीलों ने चिंता जताई है। उनका कहना है कि चिन्मय कृष्ण लिवर की गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं और खानपान में विशेष सावधानी बरतनी पड़ती है। ढाका जेल में उनकी जरूरत के मुताबिक भोजन की व्यवस्था नहीं होने से उनकी सेहत को लेकर चिंता बढ़ गई है।

चिन्मय कृष्ण के वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने कहा कि उनके आध्यात्मिक नेता सख्त शाकाहारी हैं और वैष्णव परंपरा का पालन करते हैं। वह अपना भोजन खुद बनाकर ही खाते हैं। चटगांव जेल में उनके साथ बंद एक अन्य आरोपी रंगनाथन ब्रह्मचारी उन्हें भोजन तैयार करने में मदद करते थे।

वकील बोले- ढाका जेल में सिर्फ फल खाकर रह रहे : अपूर्व कुमार भट्टाचार्य के मुताबिक, चिन्मय कृष्ण को लिवर की गंभीर बीमारी है। ऐसे में वह किसी भी तरह का भोजन नहीं कर सकते। चटगांव जेल में उन्हें खाने-पीने की सुविधा मिल रही थी, लेकिन



ढाका सेंट्रल जेल में यह व्यवस्था उपलब्ध नहीं है।

वकील ने दावा किया कि ढाका जेल पहुंचने के बाद से वह केवल फल खाकर गुजारा कर रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई कि अगर उन्हें उनकी जरूरत के मुताबिक भोजन और सुविधाएं नहीं मिलीं तो उनकी जान को खतरा हो सकता है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चिन्मय कृष्ण को सोमवार सुबह ढाका ले जाया गया था। उन्हें लेकर जाने वाला वाहन सुबह करीब 10 बजे ढाका सेंट्रल जेल पहुंचा। कौन हैं चिन्मय कृष्ण दास, क्यों हुई थी गिरफ्तारी? चिन्मय कृष्ण दास बांग्लादेश में सनातनी जागरण जोत के प्रवक्ता रहे हैं। उन्हें 25 नवंबर 2024 को ढाका से गिरफ्तार किया गया था। यह गिरफ्तारी राष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान से जुड़े राजद्रोह के मामले में हुई थी। इससे पहले 31 अक्तूबर 2024 को चटगांव के चांदगांव पुलिस थाने के अंतर्गत मोहड़ा वार्ड बीएनपी के तत्कालीन महासचिव फिरोज खान ने चिन्मय कृष्ण समेत 19 लोगों के खिलाफ कोतवाली थाने में मामला दर्ज कराया था। बाद में बीएनपी ने फिरोज खान को उनके पद से हटा दिया था।

वकील की हत्या के मामले में भी आरोपी हैं चिन्मय कृष्ण : 26 नवंबर 2024 को चिन्मय कृष्ण दास की जमानत सुनवाई को लेकर चटगांव कोर्ट परिसर में हिंसक झड़प हुई थी। इस दौरान वकील सैफुल इस्लाम की कथित तौर पर पीटकर और धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद उनके पिता जमाल उद्दीन ने 31 लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया था। इसके अलावा पुलिस पर हमला करने, सरकारी काम में बाधा डालने, वकीलों और न्याय मांगने पहुंचे लोगों पर हमले तथा विस्फोटक फेंकने से जुड़े पांच अन्य मामले भी दर्ज किए गए थे। 1 जुलाई 2025 को जांच अधिकारी ने चटगांव की अदालत में चिन्मय कृष्ण दास समेत 38 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। इसके बाद शिकायतकर्ता ने आरोपपत्र पर असहमति जताते हुए नाराजी याचिका दायर की। 25 अगस्त 2025 को अदालत ने सुकांत दत्ता समेत 39 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र स्वीकार कर लिया। फिलहाल इस मामले में चटगांव डिविजनल स्पीडी ट्रायल ट्रिब्यूनल में गवाहों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।



कहीं आपके बच्चे को दिल की बीमारी तो नहीं? पसीने से करें पहचान

क्या आप जानते हैं कि शिशुओं को असल में ज्यादा पसीना नहीं आता? वयस्कों के विपरीत, उनके छोटे शरीर तापमान को अलग तरह से नियंत्रित करते हैं क्योंकि उनकी पसीने की ग्रंथियां अभी भी विकसित हो रही होती हैं। इसलिए, अगर आपके शिशु को बार-बार या बहुत ज्यादा पसीना आता है, तो यह कभी-कभी दिल की बीमारीका संकेत भी हो सकता है।

बच्चे ज़्यादा पसीना क्यों नहीं आता?

डॉक्टरों के अनुसार, नवजात और छोटे बच्चों के शरीर में पसीना ग्रंथियां पूरी तरह विकसित नहीं होतीं। इसलिए वे वयस्कों की तरह बहुत पसीना नहीं बहाते। उनके शरीर का तापमान नियंत्रण सिस्टम अभी छोटा और संवेदनशील होता है। इस वजह से वे सामान्य तौर पर बहुत कम या बिलकुल नहीं पसीना बहाते।

किन बच्चों को आता है ज्यादा पसीना

विशेषज्ञों के अनुसार, अगर आपका बच्चा दूध पीते समय, सोते हुए, या जरा-सा हिलते-डुलते ही बहुत ज़्यादा पसीना बहा रहा है तो यह दिल की किसी समस्या का संकेत हो सकता है। जिस बच्चे के दिल में कोई जन्मजात दोष होता है, तो दिल को शरीर में खून पंप करने के लिए बहुत ज़्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इस अतिरिक्त मेहनत से शरीर की ऊर्जा जल्दी खर्च होती है, बच्चा जल्दी थक जाता है और शरीर तापमान को कम करने के लिए ज़्यादा पसीना बहाने लगता है।

ऐसे लक्षणों पर ध्यान दें:

- बच्चे को दूध पीते समय बहुत पसीना आता है।
- जल्दी थक जाता है या दूध अधूरा छोड़ देता है।
- तेज़ सांस लेता है या साँस फूलती है
- वजन नहीं बढ़ रहाया बहुत कमजोर लग रहा है
- त्वचा या होंठ नीले पड़ने लगते हैं

इस तरह रखें बच्चों का ख्याल

बच्चे को ठंडी जगह पर रखें, बहुत गर्म कपड़े न पहनाएं। डॉक्टर की सलाह के बिना कोई दवा या घरेलू नुस्खा न दें। अगर डॉक्टर सुझाएं तो इकोकार्डियोग्राम या ईसीजी जांच करवाएं। ध्यान रखें कि हर बच्चे को थोड़ा-बहुत पसीना आना सामान्य है, लेकिन अगर पसीना बहुत ज़्यादा है तो शरीर किसी अंदरूनी परेशानी का इशारा कर रहा है।'

बच्चों को नहीं लगेगा चश्मा, पेरेंट्स जरुर खिलाएं ये फूड्स



ज्यादातर मोबाइल और लैपटॉप इस्तेमाल करने के कारण आजकल बच्चों की आंखे कमजोर होने लगी हैं। इसके अलावा गलत खान-पान भी बच्चों की आंखे कमजोर होने के मुख्य कारण है। ऐसे में छोटी उम्र में ही उन्हें चश्मा लगने लगा है। एक्सपर्ट्स की मानें तो आजकल काफी उम्र से ही बच्चे लंबे समय तक टीवी, मोबाइल आदि देखने लगते हैं और पोषण की कमी के कारण बच्चों की आंखे कम उम्र में ही कमजोर होने लगती हैं। ऐसे में आज आपको कुछ ऐसे फूड्स बताते हैं जो बच्चों की आंखों को मजबूत बनाएंगे। आइए जानते हैं....

विटामिन-ई

विटामिन-ई से भरपूर आहार आप बच्चों की डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसके लिए आप बच्चों को बादाम, मूंगफली, मक्के का तेल, सरसों के बीज जैसी चीजें खिला सकते हैं।

सेलेनियम

यह एक ऐसा एंटीऑक्सीडेंट है जो यीस्ट और सीफूड में मौजूद होता है। आप इसका सेवन बच्चों को करवाने के लिए उन्हें सप्लीमेंट के तौर पर दे सकते हैं।

विटामिन-ए

यह शरीर की इम्यूनिटी मजबूत बनाने और आई साइट को मजबूत बनाने में मदद करता है। शरीर में यदि इस विटामिन की कमी हो जाए तो बच्चों की आंखे तेजी से कमजोर होने लगती है। ऐसे में आप उन्हें डाइट में अंडा, लीवर, दूध, हरी सब्जियां, स्वीट पोटैटो, रंग-बिरंगे फल आदि खाने के लिए दें।

जिंक

जिंक की कमी भी आंखों में रोशनी कम होने की समस्या बढ़ सकती है। जिकं की कमी बच्चों के शरीर से पूरी करने के लिए आप उन्हें ओएस्टर, गेंहू और तरह के नट्स दे सकते हैं।

ओमेगा 3 फैटी एसिड

इसकी कमी होने के कारण भी बच्चों की आंखें कमजोर हो सकती हैं। ऐसे में बच्चों के शरीर में से ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी पूरी करने के लिए आप ड्राई फ्रूट्स, कोल्ड वॉटर फिश, ब्रोकली उन्हें दे सकते हैं।

जंगल सफारी का नया ठिकाना

राजस्थान के जवाई में देखें तेंदुए और

जंगल सफारी के शौकीनों के लिए राजस्थान का जवाई नेशनल पार्क एक बेहतरीन विकल्प है, जहाँ आप तेंदुए, मगरमच्छ और अन्य जंगली जानवरों को उनके प्राकृतिक आवास में देख सकते हैं। पाली जिले में स्थित यह तेंदुआ संरक्षण रिजर्व अपनी अद्वितीय विशेषता के लिए जाना जाता है, जहाँ ग्रामीण और तेंदुए साथ रहते हैं। यह ट्रिप आपको एडवेंचर और रोमांच से भरपूर एक यादगार अनुभव देगी।



जंगल सफारी करने का एक अलग ही आनंद होता है। अगर आपको भी जंगली जानवर देखने का शौक हैं, लेकिन जब नेशनल पार्क में जाते हैं तो सिर्फ हिरन और बंदर को देखकर आ जाते हैं। हालांकि, शेर, चीता और बाघ न मिले तो मजा नहीं आता है। हर किसी का बजट साउथ अफ्रीका और केन्या जाने का तो होता नहीं। जहां पर मसाई मारा जैसे नेशनल पार्क में जा पाएं और जंगली जानवर देख पाएं। लेकिन आपको ज्यादा दूर जाने की जरुरत नहीं है। आप राजस्थान के जवाई नेशनल पार्क में, जहां पर तेंदुआ, मगरमच्छ जैसे जंगली जीव खुले घूमते दिख जाएंगे और आपको यहां पर सैर करके काफी सुंदर नजारे दिखेंगे।

जवाई नेशनल पार्कट

जवाई नेशनल पार्क राजस्थान के पाली जिले में मौजूद है। यह एक तेंदुआ सरंक्षण रिजर्व सेंटर है। इस पार्क में आपको तेंदुआ की काफी आबादी देखने को मिल जाएगी। यहां पर जवाई बांध भी है। बता दें कि, 60 किलोमीटर एरिया में फैले इस नेशनल पार्क में 16 गांव बसे हैं। जहां पर तेंदुआ और ग्रामीण लोग साथ में रहते है। तेंदुआ और दूसरे जंगली जानवरों को देखने आप यहां जरुर जाएं। ट्रिप आपकी रोमांच से भर जाएगी। यहां पर तेंदुआ की अलग-अलग प्रजाति के अलावा जंगली बिल्ली, भेड़िया, सियार और धारीदार लकड़बग्घे भी रहते हैं। आपको 100 से ज्यादा वैराइटी के प्रवासी और लोकल पक्षी भी देखने को मिल जाएंगे। ग्रेनाइट की पहाड़ियों के लिए सुंदर नजारों के बीच वाइल्ड लाइफ का करीब से दीदार होगा।

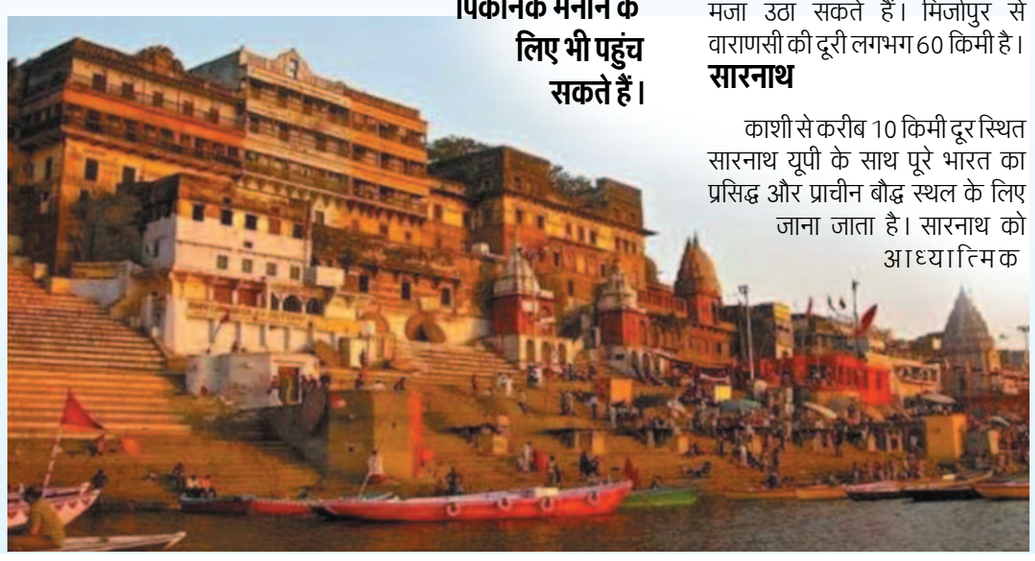
कैसे पहुंचे

जवाई जाने के लिए बाय रोड भी जा सकते हैं। उदयपुर या जयपुर एयरपोर्ट से यहां प्राइवेट साधन के जरिए जा सकते हैं। नजदीकी एयरपोर्ट उदयपुर है जो करीब 150 किमी दूर है। इसके अलावा, सिर्फ 4 किमी की दूरी पर मोरी बेरा रेलवे स्टेन है। जो जयपुर, दिल्ली, मुंबई से जुड़ा हुआ है। सर्दियों के मौसम में यहां पर जाना अच्छा माना जाता है।



मिर्जापुर से बनाएं यादगार वन-डे ट्रिप

मिर्जापुर का नाम सुनते ही अधिकतर लोगों के जहन में सबसे पहले मिर्जापुर वेब सीरीज का ही ध्यान आता है। हालांकि इस वेब सीरीज से अलग हटकर मिर्जापुर का जिक्र किया जाता है, तो यह शहर हाथों द्वारा निर्मित कालीन और दरियों का सबसे बड़ा उत्पादन भी करता है। उत्तर प्रदेश में स्थित मिर्जापुर एक ऐसा शहर है, जोकि पहाड़ियों से घिरा है। वहीं इस शहर में बहुत कम ऐसी जगहें हैं, जहां पर लोग घूमने के लिए जाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मिर्जापुर के आसपास स्थित कुछ ऐसी खूबसूरत और शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको आप एक दिन की ट्रिप में एक्सप्लोर कर सकते हैं। वहीं आप इन जगहों पर वीकेंड पर पिकनिक मनाने के लिए भी पहुंच सकते हैं।



वाराणसी

जब भी मिर्जापुर के आसपास में किसी शानदार और चर्चित जगह घूमने की बात की जाती है, तो कई लोग सबसे पहले वाराणसी का नाम लेते हैं। यह यूपी का एक चर्चित धार्मिक स्थल है।

गंगा नदी के तट पर स्थित वाराणसी में आप काशी विश्वनाथ मंदिर, मणिकर्णिका घाट, अस्सी घाट, दशाश्वमेध यज्ञ और भारत माता मंदिर जैसे कई विश्व प्रसिद्ध धार्मिक जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसलिए वाराणसी में दूर-दूर से पर्यटक घूमने के लिए आते हैं। आप यहां पर बोटिंग का भी मजा उठा सकते हैं। मिर्जापुर से वाराणसी की दूरी लगभग 60 किमी है।

सारनाथ

काशी से करीब 10 किमी दूर स्थित सारनाथ यूपी के साथ पूरे भारत का प्रसिद्ध और प्राचीन बौद्ध स्थल के लिए जाना जाता है। सारनाथ को आध्यात्मिक स्थानों में से एक माना जाता है।

सारनाथ में आप धमेख स्तूप से लेकर चौखंडी स्तूप, अशोक स्तंभ और थाई मंदिरों जैसे बौद्ध स्थलों को देख सकते हैं। वहीं सारनाथ में स्थित मूलगंध कुटी विहार और हिरण उद्यान को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। मिर्जापुर से सारनाथ की दूरी लगभग 75 किमी है।

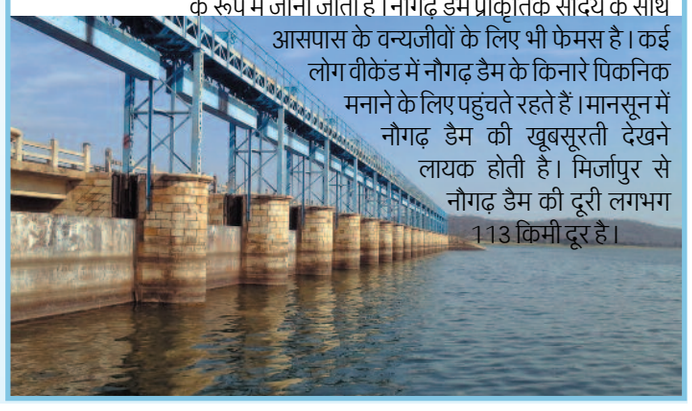
प्रयागराज

प्रयागराज यूपी का एक बेहद खूबसूरत और प्रमुख शहर है। इस शहर को कई लोग इलाहाबाद के नाम से भी जानते हैं। यह हिंदुओं के लिए एक प्रमुख तीर्थ स्थल है। क्योंकि प्रयागराज एक ऐसा शहर है, जो गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती नदियों के संगम पर स्थित है। प्रयागराज महाकुंभ मेले के लिए भी जाना जाता है।

यहां पर कई ऐतिहासिक और खूबसूरत जगहें मौजूद हैं, जिनको आप एक्सप्लोर कर सकते हैं। यहां पर आप प्रयागराज फोर्ट, खुसरो बाग, त्रिवेणी संगम और चन्द्रशेखर आजाद पार्क को एक्सप्लोर कर सकते हैं। मिर्जापुर से प्रयागराज की दूरी 88 किमी है।

नौगढ़ डैम

यूपी के चंदौली जिले में स्थित नौगढ़ डैम राज्य का खूबसूरत डैम है। यह डैम चंद्रप्रभा वन्यजीव अभ्यारण में स्थित है, इस डैम का निर्माण 1956 में किया गया था। नौगढ़ डैम का पानी सिंचाई के तौर पर इस्तेमाल होता है। इसको पर्यटन स्थल के रूप में जाना जाता है। नौगढ़ डैम प्राकृतिक सौंदर्य के साथ आसपास के वन्यजीवों के लिए भी फेमस है। कई लोग वीकेंड में नौगढ़ डैम के किनारे पिकनिक मनाने के लिए पहुंचते रहते हैं। मानसून में नौगढ़ डैम की खूबसूरती देखने लायक होती है। मिर्जापुर से नौगढ़ डैम की दूरी लगभग 113 किमी दूर है।



पर्वतीय राज्यों में सड़क हादसों के मामले में उत्तराखंड चौथे स्थान पर



उत्तरकाशी। पर्वतीय राज्यों में सड़क दुर्घटनाओं के मामले में उत्तराखंड चौथे स्थान पर है, जबकि हादसों में होने वाली मौतों के मामले में प्रदेश दूसरे स्थान पर है। आंकड़ों के अनुसार, सड़क हादसों में होने वाली मौतों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

11 पर्वतीय राज्यों के आंकड़ों के मुताबिक, असम में वर्ष 2023 और 2024 में क्रमशः 7421 और 7848 सड़क दुर्घटनाएं हुईं। इसके बाद जम्मू–कश्मीर में 6298 और 5808 हादसे दर्ज किए गए। हिमाचल प्रदेश में 2253 और 2156 सड़क दुर्घटनाएं हुईं। उत्तराखंड में भी हादसों की संख्या चिंताजनक बनी हुई है। यहां 2023 में 1691 और 2024 में 1747 सड़क हादसे हुए। वहीं, सबसे कम दुर्घटनाएं मिजोरम में दर्ज की गईं। यहां वर्ष 2023 में 106 और 2024 में 108 सड़क हादसे हुए।

हादसों में मौतों के मामले में स्थिति चिंताजनक

सड़क दुर्घटनाओं में मौतों के मामले में उत्तराखंड की स्थिति और गंभीर है। असम के बाद प्रदेश दूसरे स्थान पर है। वर्ष 2023 में सड़क हादसों में 1054 लोगों की मौत हुई, जबकि 2024 में यह संख्या बढ़कर 1090 हो गई। परिवहन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष जनवरी से अगस्त तक प्रदेश में 1480 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जबकि वर्ष 2025 की इसी अवधि में 1289 हादसे दर्ज किए गए थे। हादसों में मृतकों और घायलों की संख्या भी बढ़ी है। वर्ष 2025 में जनवरी से अगस्त तक सड़क दुर्घटनाओं में 881 लोगों की मौत हुई थी और 1817 लोग घायल हुए थे। वहीं, इस वर्ष इसी अवधि में 884 लोगों की जान गई और 2181 लोग घायल हुए। संयुक्त परिवहन आयुक्त राजीव मेहरा ने बताया कि सड़क हादसों में कमी लाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

जनगणना के लिए गांव–गांव रवाना हुई मोबाइल वैन

नई टिहरी। आगामी विधानसभा चुनाव में मतदाताओं की शंकाएं दूर करने और जनगणना–2027 में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने जागरूकता अभियान शुरू किया है।

बुधवार को डीएम नितिका खंडेलवाल ने ईवीएम के प्रति जागरूकता के लिए दो और जनगणना के लिए एक मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वैन जिले के ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को मतदान और जनगणना के महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं की जानकारी देगी। वैन के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की कार्यप्रणाली, संचालन और मतदान की प्रक्रिया समझाएंगे।डीएम नितिका ने कहा कि दोनों वैन जिले के सभी मतदान केंद्रों और बूथों को कवर करेंगी। जनगणना को लेकर रवाना की गई तीसरी मोबाइल वैन नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को स्वगणना की प्रक्रिया की जानकारी देगी। डीएम ने बताया कि नागरिक निर्धारित समयावधि में मोबाइल एप के माध्यम से अपनी और अपने परिवार की जानकारी स्वयं दर्ज कर सकेंगे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मद्महेश्वर मेला शुरू



ऊखीमठ। द्वितीय केदार भगवान मद्महेश्वर की डोली आगमन पर होने वाले त्रिदिवसीय मद्महेश्वर मेले का रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं खेल प्रतियोगिताओं के साथ शुभारंभ हो गया। मेले में विभागों ने स्टाल लगाकर लोगों को विभागीय योजनाओं की जानकारियां दी जा रही है। राइंका खेल मैदान में आयोजित मेले का शुभारंभ केदारनाथ के रावल भीमाशंकर लिंग ने किया। उन्होंने कहा कि पंचकेदार गद्दीस्थल ऊखीमठ आध्यात्मिक चेतना, तपस्या और सनातन संस्कृति का जीवंत केंद्र है। यहां की परंपराएं विश्वभर के लोगों को आकर्षित करती हैं। मेले के प्रथम दिन स्कूली बच्चों और ओंकारेश्वर महिला मंगल दल ने लोक संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। वहीं राकेश शुक्ला एवं आचार्य विश्वमोहन जमलोकी के माध्यम से आयोजित स्व. हीरालाल शुक्ला एवं स्व. हर्षमणि जमलोकी मेमोरियल वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उद्घाटन मुकाबले में स्पोर्ट्स क्लब ऊखीमठ ने हिल टाइगर की टीम को पराजित किया। मेले में उद्यान, कृषि, स्वास्थ्य एवं पशुपालन विभाग सहित अन्य विभागों की ओर से स्टाल लगाकर योजनाओं एवं सुविधाओं की जानकारी दी जा रही है। इस अवसर पर मेलाध्यक्ष कुब्जा धर्म्वाण, सचिव प्रकाश रावत, कोषाध्यक्ष रवीन्द्र पुष्पवान ने अतिथियों का स्वागत करते हुए मेले में पहुंचे लोगों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन तेज प्रकाश त्रिवेदी ने किया। विशिष्ट अतिथि केदार सभा अध्यक्ष राजकुमार तिवारी ने कहा कि मद्महेश्वर मेला राजनीति का मंच नहीं होना चाहिए। केदारसभा के मंत्री अंकित सेमवाल, सीमांत क्षेत्र अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष चंडी प्रसाद भट्ट, केदारनाथ के वरिष्ठ पुजारी डॉ. केदार लिंग, बागेश लिंग, गंगाधर लिंग, शिव लिंग, पूर्व प्रमुख लक्ष्मी प्रसाद भट्ट आदि मौजूद रहे।

प्रदेशभर से राजधानी में जुटीं आशा कार्यकर्ताएं, सचिवालय घेराव करने पहुंची



देहरादून। अपनी मांगों पर सुनवाई नहीं होने से नाराज आशा कार्यकर्ताओं ने आंदोलन तेज कर दिया है। प्रदेश के अलग–अलग हिस्सों से देहरादून पहुंचीं आशा कार्यकर्ताओं ने बुधवार से सचिवालय के बाहर धरना–प्रदर्शन शुरू कर दिया। इससे पहले वे कई दिनों से मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय के बाहर धरना दे रही थीं।

आशा कार्यकर्ताओं का कहना है कि वे सात सूत्रीय मांगों को लेकर लगातार आवाज उठा रही हैं, लेकिन अब तक उनकी मांगों पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है। इसी के चलते उन्होंने सीएमओ कार्यालय के बाहर चल रहे धरने को आगे बढ़ाते हुए सचिवालय के बाहर प्रदर्शन शुरू किया है। आशाओं ने 20 नवंबर तक सचिवालय के बाहर धरना जारी रखने का एलान किया है। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि मांगों के समाधान की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। वहीं, प्रदर्शन में आशा कार्यकर्ताओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए सचिवालय के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

सरकार की उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाएं : मनन दाणी

रुद्रप्रयाग। भाजपा जिला की सोशल मीडिया टीम की बैठक में संगठन की विचारधारा और केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। मुख्य वक्ता एवं प्रदेश सोशल मीडिया चुनाव प्रभारी मनन दाणी ने कहा कि सोशल मीडिया जनसंवाद और प्रचार–प्रसार का सशक्त माध्यम है। कार्यकर्ताओं को सक्रियता और सकारात्मक संवाद के साथ संगठन की गतिविधियों और सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाना चाहिए उन्होंने मंडल और बूथ स्तर पर डिजिटल नेटवर्क मजबूत करने तथा सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करने से पहले उसकी प्रमाणिकता जांचने की बात कही। प्रदेश सह सोशल मीडिया प्रभारी करुण दत्ता ने आगामी गतिविधियों की जानकारी दी। जिलाध्यक्ष भारत भूषण भट्ट ने कार्यकर्ताओं से संगठनात्मक कार्यक्रमों के प्रचार–प्रसार में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

जौनसार–बावर की साहित्यकार सुनीता चौहान को मिला साहित्य सम्मान–2026



देहरादून/नई दिल्ली। जौनसार–बावर क्षेत्र के समाया गांव निवासी कवयित्री एवं साहित्यकार सुनीता चौहान को दिल्ली में आयोजित भव्य साहित्य सम्मान समारोह में साहित्य सम्मान–2026 पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान जौनसारी भाषा में रचित उनकी पुस्तक सुनरी चलकुड़ी के लेखन तथा लोकभाषा, साहित्य और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया।

दिल्ली स्थित डीपीएमआई सभागार में हजार ग्राम हजार धाम, हमारी भाषा हमारी पहचान संस्था की ओर से आयोजित इस समारोह में उत्तराखंड की विभिन्न लोकभाषाओं के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से साहित्यकारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जौनसारी, गढ़वाली, कुमाऊंनी और नेपाली भाषा से जुड़े कुल 16 साहित्यकारों को साहित्य सम्मान प्रदान किया गया। सुनीता चौहान जौनसार–बावर क्षेत्र की प्रतिष्ठित महिला लेखिका हैं। वह पिछले कई वर्षों से अपनी लेखनी के माध्यम से सामाजिक चेतना, लोक संस्कृति और क्षेत्रीय भाषा को नई पहचान दिलाने का कार्य कर रही हैं। उनके कई काव्य संग्रह एवं उपन्यास प्रकाशित हो चुके हैं। जौनसारी भाषा में उनकी पुस्तक सुनरी चलकुड़ी को भी साहित्य जगत में महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

आयोजकों के अनुसार, यह सम्मान उत्तराखंड की लोकभाषाओं के संरक्षण और साहित्यिक योगदान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदान किया गया। समारोह में सुनीता चौहान को उनके उत्कृष्ट एवं सृजनात्मक साहित्यिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

नए सत्र से शुरू होंगे तीन व्यावसायिक पाठ्यक्रम

नई टिहरी।राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में नए शिक्षा सत्र 2027 से बीबीए, बीसीए और पर्यटन विषय के व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू होने की उम्मीद जगी है। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बीते दिनों नई टिहरी दौरे के दौरान स्थानीय लोगों की मांग पर उक्त तीनों पाठ्यक्रमों का संचालन शुरू करने की घोषणा की। प्रत्येक पाठ्यक्रम में 30–30 सीटों पर प्रवेश दिए जाने की बात कही गई है।महाविद्यालय प्रशासन ने गत वर्ष बीसीए पाठ्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव उच्च शिक्षा निदेशालय को भेजा था, लेकिन स्वीकृति नहीं मिलने के कारण इसका संचालन शुरू नहीं हो पाया। वर्तमान में महाविद्यालय में कला, विज्ञान और वाणिज्य संकाय के तहत 19 पारंपरिक पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की कमी के कारण बीबीए, बीसीए और पर्यटन की पढ़ाई करने के इच्छुक छात्रों को देहरादून जाना पड़ता है।महाविद्यालय में बीबीए और बीसीए की पढ़ाई के लिए कंप्यूटर प्रयोगशाला और ऑनलाइन कक्षाओं की आधारभूत सुविधाएं पहले से उपलब्ध हैं।

पंचायत भवनों के निर्माण की जिम्मेदारी आरडब्ल्यूडी को देने का विरोध

गोपेश्वर। ग्राम प्रधानों की विभिन्न समस्याओं और 10 सूत्री मांगों पर सरकार की ओर से ठोस कार्रवाई न किए जाने पर प्रधान संगठन ने नाराजगी जताई है। संगठन ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर मांगों पर शीघ्र कार्रवाई करने और पंचायत भवनों के रखरखाव एवं नव निर्माण की जिम्मेदारी ग्रामीण निर्माण विभाग (आरडब्ल्यूडी) को सौंपने संबंधी आदेश निरस्त करने की मांग की। मुख्यमंत्री को सौंपे ज्ञापन में ग्राम प्रधानों ने कहा कि पंचायत भवनों के निर्माण का काम आरडब्ल्यूडी को सौंपा जा रहा है। उनकी समस्याओं का समाधान करने के बजाय सरकार ने पंचायत भवनों के रखरखाव और नव निर्माण के लिए ग्रामीण निर्माण विभाग को कार्यदायी संस्था बनाने का आदेश जारी कर दिया है। यह पंचायती राज व्यवस्था और ग्राम प्रधानों के अधिकारों के विपरीत है। इस मौके पर प्रधान संगठन की प्रदेश सचिव सुभागा कुंवर, प्रदेश उपाध्यक्ष महावीर रावत, जिला महामंत्री महेंद्र सिंह बिष्ट, संरक्षक रविंद्र नेगी, युद्धवीर फरस्वाण, जिला उपाध्यक्ष मंदोदरी गड़िया, ब्लॉक अध्यक्ष बीरेंद्र गड़िया, जोशीमठ ब्लॉक अध्यक्ष मोहन बजवाल, नंदानगर ब्लॉक अध्यक्ष अवतार सिंह और थराली ब्लॉक अध्यक्ष राजेंद्र रावत आदि शामिल रहे।

नैलकुड़ाव मोटर मार्ग से झाड़ियों का कटान शुरू

गोपेश्वर। गोपेश्वर– नैलकुड़ाव मोटर मार्ग पर सड़क किनारे उगी झाड़ियों का लोक निर्माण विभाग ने कटान शुरू कर दिया है। झाड़ियों के कारण सड़क पर वाहनों की आवाजाही में दिक्कतें हो रही थीं। साथ ही झाड़ियों के बीच से गुजरने वाले ग्रामीणों को जंगली जानवरों का खतरा भी बना रहता था। इसका सबसे अधिक खामियाजा स्कूली बच्चों को भुगतना पड़ रहा था। बच्चों को स्कूल आने–जाने में परेशानी हो रही थी। लोनिवि प्रांतीय खंड गोपेश्वर के ईई तनुज कांबोज ने बताया कि सड़क किनारे झाड़ियों का कटान शुरू कर दिया गया है। ग्रामीण विजय सिंह, रणजीत सिंह और बदरी रावत ने कहा कि इससे सड़क पर आवागमन सुगम होगा और वाहन चालकों के साथ ही स्कूली बच्चों को भी सुविधा मिलेगी।

डेढ़ साल से खाली भवन में संचालित होगा रीप का केंद्र

कर्णप्रयाग। कालेश्वर स्थित परिवहन विभाग के खाली पड़े भवन को पर्यटन विभाग ने रीप को दिया है। ऐसे में रीप से जुड़े कामकाज इस भवन में संचालित होंगे। रीप यहां संग्रहण, पैकेजिंग, एग्री सर्विस सेंटर, प्रशिक्षण, कार्यशाला आदि कार्य करेगी। यह भवन पिछले डेढ़ साल से अधिक समय से खाली पड़ा हुआ था।रीप (ग्रामोत्थान परियोजना) की ओर से यहां वृद्धि सेंटर का निर्माण किया जाएगा।

पूर्व मेयर के बेटे पर 23 लाख रुपये की धोखाधड़ी का आरोप



देहरादून। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में नगर निगम की दुकानें आवंटित कराने के नाम पर कथित धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। इस मामले में नगर निगम के पूर्व मेयर सुनील उनियाल गामा के बेटे शाश्वत उनियाल, नगर निगम कर्मचारी दिनेश खन्ना समेत अन्य लोगों पर लाखों रुपये की रकम लेने के आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि दुकानें दिलाने के नाम पर उनसे रकम ली गई, लेकिन न तो दुकानें आवंटित हुईं और न ही पूरी धनराशि वापस मिली। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी ने जांच के निर्देश दिए हैं।

2019 में तीन दुकानों के आवंटन को लेकर हुई थी बातचीत

शिकायतकर्ता विजय राज चौहान और सूरज पाल सिंह ने पुलिस अधिकारियों को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि वर्ष 2019 में नगर निगम की जमीन पर तीन दुकानें आवंटित कराने के लिए करीब 45 लाख रुपये में बातचीत तय हुई थी। आरोप है कि शाश्वत उनियाल ने राजपुर रोड और मसूरी रोड क्षेत्र में दुकानें दिलाने का भरोसा दिया था। इसके बाद अलग–अलग किस्तों में रकम दी गई। शिकायत के अनुसार, वर्ष 2023 में मसूरी रोड स्थित खाला गांव के मैगी प्वाइंट और कुठाल गेट के पास दुकानें दिलाने का आश्वासन भी दिया गया। इस संबंध में नगर निगम कर्मचारी दिनेश खन्ना से मुलाकात कराने और दस्तावेज उपलब्ध कराने का भी आरोप लगाया गया है।

23 लाख रुपये बकाया होने का दावा, धमकी देने के भी आरोप

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि लंबे समय तक इंतजार करने के बावजूद दुकानें आवंटित नहीं हुईं। वर्ष 2025 में रकम वापस मांगने पर कुछ धनराशि लौटाई गई, लेकिन अभी भी करीब 23 लाख रुपये बकाया हैं। शिकायत में बकाया रकम मांगने पर परिवार को धमकाने, घर पहुंचकर दबाव बनाने और तोड़फोड़ किए जाने के आरोप भी लगाए गए हैं।

दुकानों की वास्तविक स्थिति सामने आने का दावा

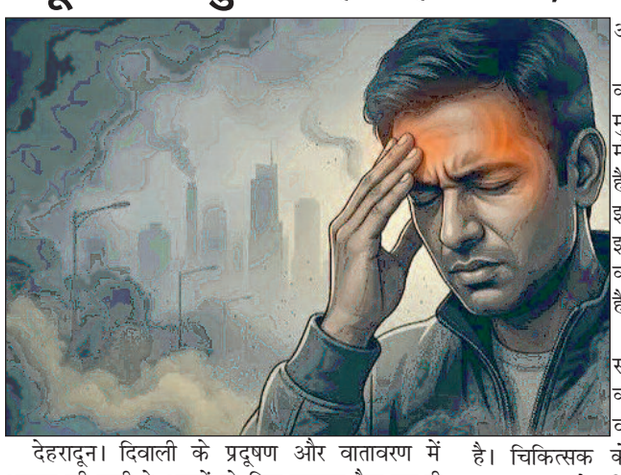
शिकायतकर्ताओं ने सूचना का अधिकार के तहत नगर निगम से दुकानों के आवंटन संबंधी जानकारी मांगी थी। उनका दावा है कि प्राप्त जानकारी में संबंधित दुकानें स्थायी आवंटन के बजाय अस्थायी प्रकृति की पाई गईं। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि इसके बावजूद उन्हें स्थायी दुकानें दिलाने का भरोसा देकर रकम ली गई।

एसपी सिटी शेखर सुयाल के अनुसार, पूर्व मेयर, उनके बेटे और नगर निगम कर्मचारी समेत अन्य लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और धमकी से संबंधित शिकायत प्राप्त हुई है। एसएसपी के निर्देश पर सीओ डालनवाला को मामले की जांच सौंपी गई है। पुलिस शिकायत और उपलब्ध दस्तावेजों की जांच कर रही है। जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व मेयर सुनील उनियाल गामा ने बताया राजनीतिक षड्यंत्र

वहीं, पूर्व मेयर सुनील उनियाल गामा ने अपने और अपने बेटे के खिलाफ लगाए गए आरोपों को राजनीतिक साजिश बताया है। उनका कहना है कि शिकायतकर्ता उनके बेटे की तरह है और पहले उनके साथ काम भी कर चुका है। गामा ने मामले की निष्पक्ष जांच का समर्थन करते हुए शिकायतकर्ता की आर्थिक स्थिति और इतनी बड़ी रकम की व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इस पहलू की भी जांच होनी चाहिए। फिलहाल मामला पुलिस जांच के अधीन है। शिकायतकर्ताओं की ओर से लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है। जांच पूरी होने और कानूनी प्रक्रिया के बाद ही आरोपों की वास्तविकता तथा संबंधित पक्षों की जिम्मेदारी स्पष्ट हो सकेगी।

प्रदूषण से धुंधली हो रही नजर, संक्रमण का खतरा



देहरादून। दिवाली के प्रदूषण और वातावरण में आद्रता की कमी ने आखों के लिए समस्या पैदा कर दी है। लोगों की नजर धुंधली होने लगी है। इससे कई तरह के संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। दून अस्पताल के नेत्र रोग विभाग की ओपीडी में वायरल और एलर्जिक कंजंक्टिवाइटिस के हर रोज चार से पांच मामले सामने आ रहे हैं।

दून अस्पताल के नेत्र रोग विभाग की एचओडी डॉ. शांति पांडेय के मुताबिक पिछले कुछ दिनों में लगातार मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। मौसम में नमी भी कम हो गइ है। इसका सीधा पर आखों पर पड़ रहा है। इसके साथ ही पटाखों से हुए प्रदूषण की वजह से भी नजर धुंधली होने लगी है।

इससे आखों में जलन, खुजली, सूखापन और पलक खोलने–बंद करने में दिक्कत आ रही है। इसकी वजह से टियह फिल्म भी जल्दी टूट रही है। चिकित्सक के अनुसार लोग नजर के सामने धुंधलापन छाने की शिकायत के साथ ओपीडी में पहुंच रहे हैं। लोगों को सावधानी बरतनी होगी। डॉ. शांति ने बिना चिकित्सकीय सलाह के आई ड्रोप न लेने की सलाह दी है। साथ ही स्टेरॉयड युक्त आई ड्रोप से दूर रहने की हिदायत दी है।

अपनी पुरखों की जमीन न छोड़ें : डॉ. हरक सिंह

चोपता। तल्ला नागपुर कृषि औद्योगिक विकास मेले के चौथे दिन गढ़वाली लोक गायक सौरभ मैठाणी ने अपने गीतों से समां बांधा। मेले में पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. हरक सिंह रावत भी शामिल हुए। उन्होंने पहाड़ से हो रहे पलायन पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों की खुशहाली से ही हम आगे बढ़ सकते हैं। इसलिये स्थानीय निवासी अपनी पुरखों की जमीन न छोड़ें। उन्होंने पहाड़ की संस्कृति को बचाने और उसके संवर्धन में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को सराहा। इससे पूर्व उन्होंने मंच पर खूब दुमके भी लगाए। मेले में युवा लोक गायक सौरभ मैठाणी ने गीतों से समां बांधा। इस दौरान रुद्रप्रयाग नगर पालिका अध्यक्ष रुद्रप्रयाग संतोष रावत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष ऋतु नेगी, ज्येष्ठ प्रमुख अगस्त्यमुनि शांति प्रसाद चमोला, कांग्रेस नेता प्रदीप थपलियाल, जिला पंचायत सदस्य सम्पन्न नेगी, मेला समिति के अध्यक्ष ललित मोहन मेवाल, उपाध्यक्ष लक्ष्मण बर्त्वाल, प्रधान सरोजनी देवी, पंचम सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

जिला अस्पताल में दूरबीन से निकाली पित्त की पथरी

नई टिहरी। जिला अस्पताल बौराड़ी में चिकित्सकों की टीम ने दूरबीन विधि से 60 वर्षीय महिला के पित्ताशय की पथरी का सफल ऑपरेशन किया। पित्ताशय में संक्रमण और उच्च रक्तचाप की समस्या के चलते ऑपरेशन में विशेष सावधानी बरतनी पड़ी। करीब साढ़े तीन घंटे की मशक्कत के बाद चिकित्सकों ने पित्त-शय में अंदर तक फंसी पथरी निकाली। स्वास्थ्य में सुधार होने पर महिला को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। चंबा विकासखंड की सरोजनी सकलानी (60) कई महीनों से पेट के दाहिने ऊपरी हिस्से में तेज दर्द से परेशान थी। जांच में पित्ताशय की पथरी की समस्या सामने आई। उच्च रक्तचाप के कारण कई बार उनका ऑपरेशन टालना पड़ा, वहीं पित्ताशय में संक्रमण होने के कारण शल्य चिकित्सा के दौरान अतिरिक्त सावधानी बरतनी जरूरी थी। जिला अस्पताल के सर्जन डॉ. मिथुन विश्वास ने डॉ. ऋचा, डॉ. जफीस और डॉ. दिव्यांशु नैथानी के साथ मिलकर दूरबीन विधि से ऑपरेशन किया। करीब साढ़े तीन घंटे तक चली शल्य चिकित्सा के बाद पित्त-शय में फंसी पथरी निकाली गई। ऑपरेशन के बाद एहतियात के तौर पर महिला को आईसीयू में रखा गया। स्वास्थ्य में सुधार होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

इससे पहले भी डॉ. मिथुन विश्वास और उनकी टीम ने एक बुजुर्ग व्यक्ति की किडनी और मूत्राशय में फंसी दो पथरी का सफल ऑपरेशन किया था।

नेतृत्व चाहेगा तो चुनाव लड़ूंगा- रावत ने जताई इस सीट से चुनाव लड़ने की इच्छा



देहरादून। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि राहुल गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात में चुनाव लड़ने के संबंध में कोई चर्चा नहीं हुई है। हालांकि प्रदेश नेतृत्व चाहेगा तो वह चुनाव लड़ेंगे। हरदा ने हरिद्वार की खानपुर, लक्सर और इसके आसपास की किसी सीट से चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की है।

हरीश रावत ने कहा कि दिल्ली में दोनों नेताओं से मुलाकात बेहद सकारात्मक रही है। उत्तराखंड की राजनीतिक व चुनावी रणनीति पर लंबी चर्चा हुई है। उन्होंने उत्तराखंड में कांग्रेस को सत्ता में लाने और कम से कम 45 सीटें जीतने का रोडमैप भी राष्ट्रीय नेताओं के सामने रखा। दिल्ली से लौटने के बाद चुनाव लड़ने के सवाल पर हरदा ने कहा, मैं अपनी मंशा पहले ही जाहिर कर चुका हूं कि मुझे पद की कोई महत्वाकांक्षा नहीं है मगर प्रदेश कांग्रेस को तय करना है कि हरीश रावत चुनाव लड़े या न लड़े। हरिद्वार की खानपुर व लक्सर सीट की जनता चाहती है कि मैं एक बार उनका प्रतिनिधित्व करूं। अब यह पार्टी को तय करना है। अगर पार्टी नहीं चाहती है कि चुनाव लडूं तब भी मैं पार्टी को सत्ता में लाने के लिए जी जान से मेहनत करूंगा। उन्होंने आगे कहा कि जल्द ही वह राष्ट्रीय नेताओं से दोबारा मुलाकात करेंगे। कहा कि उत्तराखंड में आगामी चुनाव के लिए पार्टी को स्थानीय मुद्दों पर आक्रमक रुख अपनाते हुए काम करने और जनता के बीच जाने की जरूरत है।

उत्तराखंड–यूपी के बीच परिसंपत्तियों के विवाद सुलझाने की कवायद तेज

देहरादून। उत्तराखंड और यूपी के बीच परिसंपत्तियों के पुराने विवाद सुलझाने की कवायद तेज हो गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को लखनऊ में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर परिसंपत्तियों के लंबित मामलों पर चर्चा की। योगी ने सभी मसलों पर जल्द सकारात्मक कार्यवाही की बात कही। मुख्यमंत्री धामी ने विशेष रूप से बनबसा बैराज व नगरा बाईपास नहर की मरम्मत, झनकैया और सूखा पुल सहित सिंचाई विभाग के तहत आने वाले पुराने जर्जर पुलों की मरम्मत व पुनर्निर्माण का मामला उठाया। उन्होंने इन कार्यों को जनहित में महत्वपूर्ण बताते हुए प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

खिलाड़ियों और स्टाफ के अनुभव गोपनीय रखे जाएंगे

सीए 'सैंडपेपरगेट कांड' एक फोरम बनाएगा

होबार्ट । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने घोषणा की है कि वह 2018 के दक्षिण अफ्रीका दौरे में शामिल खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के लिए एक इंडिपेंडेंट फोरम बनाएगा, ताकि वे अपनी गवाही दोबारा सुन सकें। बोर्ड ने कहा कि केपटाउन घटना की जांच दोबारा नहीं शुरू की जाएगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चेयरमैन डेविड बून ने कहा, 'ध्यान से सोचने के बाद, सीए बोर्ड ने एक ऐसा फोरम बनाने का फैसला किया है जो 2018 में साउथ अफ्रीका की घटनाओं में शामिल खिलाड़ियों और स्टाफ को अपने अनुभव और नजरिए शेयर करने की इजाजत देगा।' उन्होंने कहा, 'हमारा मानना ??है कि यह खेल के सबसे अच्छे हित में है। लगभग एक दशक से, उन घटनाओं के नतीजे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के बारे में बातचीत का हिस्सा रहे हैं। यह कई लोगों के लिए एक मुश्किल चैप्टर रहा है और, तेजी से, चल रही बहस खेल से ध्यान भटकाने



वाली बन गई है। हमारा मानना ??है कि अब सर्किट ब्रेकर का समय आ गया है। यह फोरम अतीत पर फिर से बात करने के बारे में नहीं है। यह उन लोगों के लिए एक मौका बनाने के बारे में है जो एक सम्मानजनक माहौल में अपनी कहानियां सुनाना चाहते हैं, और हमारे खेल को सुनने के लिए। '

उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट तब सबसे मजबूत होता है जब वह एकजुट होता है। हम उन सभी के प्रति जिम्मेदार हैं जो खेल से प्यार करते हैं कि हम समझ, सम्मान और नजरिए के साथ एक साथ आगे बढ़ने की हर मुमकिन कोशिश करें। एक पूर्व खिलाड़ी के तौर पर, मैं जानता हू कि क्रिकेट हमें सबसे जरूरी चीजों में से एक देता है, वे रिश्ते जो हम बनाते हैं और वह दोस्ती जो खेल करियर खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक बनी रहती है। मेरी उम्मीद है कि यह प्रक्रिया उन कनेक्शन को मजबूत करने में मदद कर सकता है और हमें आगे क्या होने वाला है, इस पर ध्यान देने दे सकता है। ' डेविड बून ने कहा, 'मैं सभी को प्रोत्साहित करूंगा कि वे इस प्रक्रिया को सम्मानपूर्वक और निजी तौर पर आगे बढ़ने दें। हमारा ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि खेल आगे भी बढ़ता रहे। '

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा, 'पिछले सप्ताह हमने 2018 में केपटाउन टेस्ट में जो हुआ उसके बारे में कई अलग-अलग बातें सुनी हैं। यह खेल और इससे जुड़े सभी लोगों के लिए बहुत मुश्किल और असहज समय रहा है।

स्मैट 2026: बंगाल ने झारखंड को 7 विकेट से हराया आंध्र-छत्तीसगढ़ और बिहार ने दर्ज की जीत

नई दिल्ली । सैयद मुश्ताक अली (स्मैट) एलीट 2026 में बुधवार को बंगाल ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए डिफेंडिंग चैंपियन झारखंड को 7 विकेट से हराया। वहीं, बिहार, आंध्र और छत्तीसगढ़ ने भी जीत दर्ज की। छत्तीसगढ़ बनाम ओडिशा : ग्रुप डी के मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर स्कोबोर्ड पर 228 रन लगाए। टीम की तरफ से कप्तान विकल्प तिवारी ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली। उन्होंने 56 गेंदों का सामना करते हुए 119 रनों की दमदार पारी खेली। 229 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए ओडिशा की टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर 177 रन ही बना सकी। टीम की ओर से सर्वाधिक 57 रन कार्तिक बिस्वाल ने बनाए। आंध्र बनाम केरल : आंध्र ने ग्रुप सी के मुकाबले में केरल को 29 रनों से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए आंध्र ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 225 रन बनाए। टीम की तरफ से सीरम वेंकट राहुल ने सर्वाधिक 64 रन बनाए, जबकि शेख रशीद ने 39 गेंदों में 60 रनों का योगदान दिया। इसके जवाब में केरल की टीम 5 विकेट खोकर 196 रन ही बना सकी।



पहला टेस्ट आज से



'फाइनल में पहुंचना है तो आराम के दायरे से बाहर निकलना होगा'

मोर्कल ने कहा कि भारत को डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने के लिए अब खुद को पहले से ज्यादा चुनौती देनी होगी। टीम को ऐसे काम करने के लिए तैयार रहना होगा, जो शायद उसने पहले नहीं किए हैं। उन्होंने खास तौर पर तेज गेंदबाजों के लंबे स्पेल और अतिरिक्त ओवर करने की जिम्मेदारी का जिक्र किया। मोर्कल ने कहा, 'फाइनल में पहुंचने के लिए हमें अब खुद को थोड़ा और आगे बढ़ाना होगा। हमें अपने सहज दायरे से बाहर निकलकर ऐसी स्थिति में जाना होगा, जहां शायद हम पहले कभी नहीं गए हैं। अगर किसी मौके पर टीम को जरूरत हो कि कोई गेंदबाज दो या तीन ओवर अतिरिक्त करे, हवा के विपरीत गेंदबाजी करे और मुश्किल जिम्मेदारी निभाए, तो हमें इसके लिए तैयार रहना होगा।'

वेलिंगटन की हवा और न्यूजीलैंड का निचला क्रम भी चुनौती

न्यूजीलैंड दौरे पर वेलिंगटन की तेज हवाएं भी भारतीय गेंदबाजों के लिए चुनौती बन सकती हैं। मोर्कल के मुताबिक, दोनों टीमों को इन परिस्थितियों का सामना करना होगा।

ऐसे में खिलाड़ियों को मजबूत मानसिकता के साथ मैदान पर उतरना होगा। उन्होंने कहा कि किसी एक छोर से गेंदबाज को जिम्मेदारी उठानी होगी और खिलाड़ियों की बॉडी लैंग्वेज ऐसी होनी चाहिए कि वे लगातार गेंदबाजी करने के लिए तैयार दिखें। इसके अलावा मोर्कल ने न्यूजीलैंड के निचले क्रम को भी भारत के लिए अहम चुनौती बताया।

WTC फाइनल के लिए भारत को क्या करना होगा?: मोर्कल ने सिराज-बुमराह से इस चुनौती से निपटने को कहा; और क्या बोले?

वेलिंगटन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज सिर्फ एक द्विपक्षीय मुकाबला नहीं है, यह आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 के फाइनल की दौड़ में भारत के लिए अपनी स्थिति मजबूत करने का बड़ा मौका भी है। फिलहाल न्यूजीलैंड अंक तालिका में शीर्ष पर है, जबकि भारतीय टीम चौथे स्थान पर है। ऐसे में भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने टीम को फाइनल तक पहुंचने का एक अहम मंत्र दिया है। उनका मानना है कि भारतीय खिलाड़ियों को अब अपने सहज दायरे से बाहर निकलकर ज्यादा मेहनत करनी होगी। जरूरत पड़ने पर तेज गेंदबाजों को अतिरिक्त ओवर करने और मुश्किल परिस्थितियों में भी टीम के लिए जिम्मेदारी उठाने को तैयार रहना होगा।



गेंदबाजी संयोजन को लेकर मोर्कल को पूरा भरोसा

सीरीज से पहले भारतीय टीम के तेज गेंदबाजी संयोजन को लेकर भी चर्चा है। जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, अंशुल कंबोज और हाल ही में टीम में शामिल किए गए गुरनूर बराड़ जैसे विकल्प मौजूद हैं। ऐसे में प्लेइंग-11 चुनना टीम प्रबंधन के लिए चुनौती हो सकता है। हालांकि, मोर्कल को उपलब्ध गेंदबाजों की क्वालिटी पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि टीम जिस भी गेंदबाजी आक्रमण के साथ उतरेगी, उसमें 20 विकेट लेने की क्षमता है। उन्होंने कहा, 'गौतम (गंभीर) को मेरा फीडबैक यही था कि इस दौरे पर हम जिस भी गेंदबाजी आक्रमण के साथ उतरेंगे, हमारे पास 20 विकेट लेने के लिए पर्याप्त क्षमता है। मुझे इस पर भरोसा है। हर गेंदबाज में अलग तरह की खूबी है और सभी कुशल हैं। मेरा मानना है कि सभी खेलने के लिए तैयार हैं।' मोर्कल ने सिराज को विश्वस्तरीय प्रदर्शन करने वाला गेंदबाज बताया। उन्होंने कहा कि जब भी सिराज को भारतीय टीम की जर्सी में मौका मिला है, उन्होंने खुद को साबित किया है।



पिछले नतीजों की निराशा पीछे छोड़ना चाहता है भारत

मोर्कल ने स्वीकार किया कि हाल के टेस्ट नतीजों से भारतीय ड्रेसिंग रूम में निराशा रही है। उनके मुताबिक, टीम कुछ अहम खिलाड़ियों के जाने के बाद अपनी लय तलाश रही थी। हालांकि, आगामी दो टेस्ट को लेकर खिलाड़ियों के बीच बातचीत सकारात्मक रही है।

उन्होंने कहा कि टीम को पता है कि वह इससे बेहतर क्रिकेट खेल सकती है और अगले 10 से 13 दिनों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए सभी में मजबूत इच्छाशक्ति है। भारत ने डब्ल्यूटीसी के पहले दो फाइनल खेले थे और अब 2027 में द ओवल में होने वाले फाइनल में वापसी करना चाहेगा। इसके लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट भारत के अभियान में अहम साबित हो सकते हैं।

फ्रेंडली मैच में अर्जेंटीना ने कोस्टा रिका को 7-0 से हराया

ब्यूनस आयर्स । निको पाज, जूलियन अल्वारेज और फ्रैंको मास्टैंटुओनो के दो-दो गोल की मदद से अर्जेंटीना ने एक मैत्री मैच में कोस्टा रिका को 7-0 से हरा दिया। कोस्टा रिका ने एक तिहाई से भी कम पजेशन पर कंट्रोल किया। टीम मुश्किल से अपने अटैकिंग थर्ड में घुस पाई। गेम शुरू होने के सिर्फ सात मिनट बाद, पाज ने पेनल्टी एरिया के किनारे पर एक रिबाउंड पर झपट्टा मारा और एक शानदार



फिनिश के साथ पहला गोल किया। गोल के बाद के मिनट पूरी तरह से लियोनेल स्कालोनी की टीम के कंट्रोल में थे, जिन्होंने मिडफील्डर्स के बीच बॉल को मूव किया और विंग्स से अटैक करने की कोशिश की। इसके बावजूद, कोस्टा रिका ने एक काउंटर-अटैक के बाद कप्तान एमिलियानो मार्टिनेज को एक शानदार सेव करने पर मजबूर कर दिया। बाद में, लगभग 30 मिनट के बाद, नेशनल टीम ने एक और अच्छा अटैकिंग खेल दिखाया। कुछ देर बाद, एन्जो फर्नांडीज की एक शानदार थ्रू बॉल और गिया के विंग से नीचे दौड़ने के बाद, जूलियन अल्वारेज को पास मिला और उन्होंने मैच का दूसरा गोल किया। फिर, पाज ने एक सोलो रन बनाया, एक डिफेंडर को पीछे छोड़ते हुए, अंदर कट करते हुए, और एक जोरदार शॉट मारा जो पैट्रिक सेक्वेरा को छकाते हुए टॉप कॉर्नर में चला गया। पहला हाफ 4-0 के साथ समाप्त हुआ। दूसरे हाफ के तीन मिनट बाद, फ्रैंको मास्टैंटुओनो ने पास के पोस्ट पर गोलकीपर को पीछे छोड़ते हुए एक लो शॉट मारा, जिससे अर्जेंटीना के लिए उनका दूसरा और पांचवां गोल हुआ।

दूसरे हाफ के बीच में, नेशनल टीम ने बॉल पर कब्जा बनाए रखा और विंग्स से अटैक किया। इसके बाद एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने पेनल्टी एरिया में दो डिफेंडरों को छकाते हुए छठा गोल किया। गेम के आखिर में, मास्टैंटुओनो ने फिर से गोल किया। गिउलिआनो शिमोन के साथ वन-टू के बाद, मिडफील्डर ने सटीकता से गोल करके 7-0 की जीत पक्की कर दी।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने बनाई एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह, बेन शेल्टन को हराया

ट्यूरिन । अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने राउंड-रॉबिन मुकाबले में बेन शेल्टन को हराकर साल 2026 के एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। जर्मन खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शेल्टन को 6-2, 7-6(4) से हराया। एक घंटे और 34 मिनट तक चले इस मुकाबले में जीत के साथ ही उन्होंने अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली। ज्वेरेव इस प्रतिष्ठित सीजन-एंडिंग टूर्नामेंट में नौवीं बार हिस्सा ले रहे हैं। इससे पहले, उन्होंने 2018 में



लंदन में और 2021 में ट्यूरिन में ट्रॉफी जीती थी। एटीपी के आंकड़ों के अनुसार, 2018, 2019, 2021 और 2024 के बाद यह पांचवीं बार है जब वह इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। शेल्टन, जो लगातार दूसरे साल इस सीजन-फिनाले में खेल रहे हैं, अब जॉन मैकेनरो ग्रुप में 1-1 की स्थिति में हैं। अमेरिकी खिलाड़ी ने रविवार को आर्थर फिल्स को हराकर एटीपी फाइनल्स में अपनी पहली जीत दर्ज की थी। अब उनका ध्यान गुरुवार को राफेल जोडार के खिलाफ होने वाले मुकाबले पर है।

फुटबॉल: भारत के खिलाफ मैच में फिलिस्तीन के खिलाड़ियों पर नस्लवाद का आरोप



नई दिल्ली । भारत ने मंगलवार को कुआलालंपुर में खेले गए एफसी अंडर-17 एशियन कप 2027 क्वालिफायर में फिलिस्तीन को 4-1 से हरा दिया। इस मैच में भारतीय कप्तान डल्लालमुऑन गंगटे को नस्लभेदी व्यवहार का सामना करना पड़ा। घटना के कैमरे में रिकॉर्ड होने के बाद भी रेफरी ने कोई एक्शन नहीं लिया। मुकाबले में भारत और फिलिस्तीन दोनों टीमें क्वालिफाइंग ग्रुप में टॉप स्पॉट के लिए लड़ रही थीं। इस वजह से दोनों टीमें एक दूसरे पर हावी होने का प्रयास कर रही थीं। इस दौरान फिलिस्तीनी खिलाड़ी बार-बार भारतीय खिलाड़ियों को शारीरिक रूप से चुनौती देने और परेशान करने की कोशिश कर रहे थे। विवाद तब बढ़ गया जब फिलिस्तीन के नंबर 19 खिलाड़ी को भारतीय कप्तान डल्लालमुऑन गंगटे के पास नाक पर पंखा झलते हुए देखा गया। इस हरकत को नस्लभेदी माना गया। लाइव ब्रॉडकास्ट में दिखने के बावजूद, मैच अधिकारियों ने इस घटना पर बिना किसी कार्रवाई के खेल जारी रहने दिया।

फिलिस्तीनी खिलाड़ी मोहम्मद जमहूर ने नौवें मिनट के आस-पास एक भारतीय खिलाड़ी को पीछे से दो बार लात मारी और फिर फुटबॉलर के जमीन पर गिरने के बाद उसके हाथ पर पैर पटक दिया। इस घटना के बाद रेफरी ने फिलिस्तीन के खिलाड़ी को रेड कार्ड दिया था। मैच के दौरान इन तनावपूर्ण क्षणों को बावजूद भारतीय टीम ने अपना धैर्य नहीं खोया और शानदार प्रदर्शन करते हुए 4-1 के अंतर से जोरदार जीत हासिल की।

आईसीसी रैंकिंग: टॉम बैंटन ने लगाई लंबी छलांग

अर्शदीप को मिला न्यूजीलैंड के खिलाफ दमदार प्रदर्शन का इनाम

दुबई । न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन का इनाम अर्शदीप सिंह को आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में मिला है। वह 12 स्थान ऊपर चढ़कर गेंदबाजों की रैंकिंग में संयुक्त रूप से 19वें नंबर पर पहुंच गए हैं। इस हफ्ते गेंदबाजी रैंकिंग में सबसे ज्यादा सुधार करने वाले खिलाड़ियों में अर्शदीप शामिल हैं। अफगानिस्तान के स्पिन गेंदबाज राशिद खान 50 ओवर के फॉर्मेट में दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बने हुए हैं। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी भी 15 स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 12वें नंबर पर आ गए हैं, जबकि उनके साथी खिलाड़ी काइल जैमीसन 15 स्थान ऊपर चढ़कर 45वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं, इंग्लैंड के बल्लेबाज टॉम बैंटन को भी ताजा रैंकिंग में फायदा पहुंचा है। उन्होंने एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में जीत दिलाने वाली शतकीय पारी खेली थी। बैंटन ने 99 गेंदों पर 121 रन बनाए, जो उनका दूसरा वनडे शतक था। उनकी इस पारी की मदद से इंग्लैंड ने सीरीज में बराबरी की और वह बल्लेबाजी रैंकिंग में 34 स्थान की छलांग लगाकर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उनके साथी खिलाड़ी जो रूट भी टॉप 10 में वापस आ गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में अर्धशतक लगाने के बाद रूट दो स्थान ऊपर चढ़कर नौवें नंबर पर पहुंच गए हैं। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल वनडे में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं।



इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने भी वनडे गेंदबाजों की टॉप 10 सूची में वापसी की है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे मैचों में एक-एक विकेट लेने के बाद, वह चार स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर आ गए हैं। इस बीच, शारजाह में जिम्बाब्वे और अफगानिस्तान के बीच खेली गई कड़े मुकाबले वाली टेस्ट सीरीज (जिसे जिम्बाब्वे ने 2-0 से जीता) के बाद, दोनों टीमों के खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी काफी सुधार हुआ है।

टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को सबसे ज्यादा फायदा हुआ। उन्होंने दूसरे और निर्णायक टेस्ट मैच में छह विकेट लिए और 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता, जिससे वह पांच स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 16वें नंबर पर आ गए हैं। स्पिनर ग्रीम क्रेमर भी छह स्थान की छलांग लगाकर 65वें नंबर पर आ गए हैं। बल्लेबाजों की रैंकिंग में जिम्बाब्वे के ओपनर इनोसेंट काइया 20 स्थान की छलांग लगाकर 50वें नंबर पर पहुंच गए हैं, जबकि अनुभवी ब्रेंडन टेलर 40 स्थान ऊपर चढ़कर 62वें नंबर पर आ गए हैं। अफगानिस्तान के ऑलराउंडर नसीर मारूफखिल ने अपने टेस्ट डेब्यू में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मैच की पहली पारी में शतक लगाया और सात विकेट लिए। पुरुषों के टेस्ट क्रिकेट में ऐसा कारनामा करने वाले वह केवल चौथे खिलाड़ी बने।